रांची, शनिवार, 20 दिसंबर 2025

संवत 2082, पौष शुक्ल प्रतिपद मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 101, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▶▶ काकोरी कांड : आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय

पारुल गुलाटी का बॉलीवुड में डेब्यू ◀◀ 6

अंगेठी बनी मौत की वजह

धुएं से दम घुटने के कारण दादी -पोती की मौत

संवाददाता

पलामू : जिले में एक बुजुर्ग महिला और उसकी नाबालिग पोती की कथित तौर पर उनके कमरे में रखी अंगीठी से निकलने वाले धुएं से दम घुटने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

धुएं से दम घुटने के चलते दादी और पोती की मौतः पुलिस ने बताया कि यह घटना हुसैनाबाद पुलिस थाना क्षेत्र के फुलदिहा गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, मुलारो कुंवर (79) और माया कुमारी (15) की दम घुटने से मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मुलारो की बेटी किरण देवी (37) की हालत गंभीर बताई जा रही है और उनका मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, कमरा अंदर से बंद था। परिवार के सदस्यों ने उन्हें फोन किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला जिसके बाद उन्होंने दरवाजा तोड़ दिया और उन्हें कमरे में बेहोश पाया, जो धुएं से भरा हुआ था और अंगीठी जल रही थी। अधिकारी ने बताया कि मुलारो का बेटा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का जवान है और इस समय तमिलनाडु में तैनात है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए हुसैनाबाद उपमंडल अस्पताल भेज दिया गया है। अधिकारी ने कहा, पोस्टमॉर्टम के बाद ही हम निश्चित रूप से मृत्यु का कारण बता सकते हैं।

पत्नी ने गुस्से में आकर शराबी पति को उतारा मौत के घाट

रामगढ़: जिले में 27 वर्षीय महिला ने कथित तौर पर अपने पति की घर पर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पत्नी ने पति पर कुल्हाड़ी से किया ताबड़तोड़ वारः पुलिस ने बताया कि आरोपी पत्नी की पहचान किरण उरांव के तौर पर हुई है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। बासल पुलिस चौकी के प्रभारी अधिकारी कैलाश कुमार ने बताया कि जिले के लेम गांव में पत्नी के हमले के बाद 28 वर्षीय अशोक उरांव की मौके पर ही मौत हो गई। कुमार ने कहा कि अशोक एक आदतन शराबी था जो अक्सर नशे की हालत में पत्नी से झगड़ा करता था और उसके साथ मारपीट करता था। उसके व्यवहार से तंग आकर किरण कई बार अपना ससुराल छोड़कर पिथोरिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले दुबिल्या गांव में अपने माता-पिता के पास चली जाती थी।

मामले की जांच में जुटी पुलिसः पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को अशोक नशे की हालत में पत्नी से झगड़ा करने लगा और उस पर हमला करने की कोशिश की, जिसके बाद पत्नी ने कुल्हाड़ी उठाकर उस पर वार कर दिया। पुलिस ने बताया कि हमले में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी जब्त कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

घने कोहरे के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर परिचालन बाधित

177 उड़ानों को किया गया रद्द, ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली: शुक्रवार को भी दिल्ली घने कोहरे और भारी प्रदूषण की चपेट में रही, जिससे रोजमर्रा की ज़िंदगी और हवाई यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई। कम विजिबिलिटी और जहरीली हवा के कारण उड़ानों में भारी रुकावटें आईं, जबकि मौसम अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि वीकेंड पर हालात और खराब हो सकते हैं। इंडिया मेट्रोलॉजिकल डिपार्टमेंट ने शनिवार के लिए घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि सुबह के समय शहर के कई हिस्सों में बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। रात में हल्की धुंध भी छा सकती है। रविवार और सोमवार को भी ऐसे ही हालात बने रहने की उम्मीद है, और कुछ इलाकों में घना कोहरा छा सकता है। दिल्ली की हवा की क्वालिटी खतरनाक रूप से खराब बनी रही। शुक्रवार को 24 घंटे का औसत एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 374 रहा, जो बहुत खराब कैटेगरी में आता है। सुबह की रीडिंग और भी खराब थी, जो गंभीर लेवल के करीब पहुंच रही थी। कई मॉनिटरिंग स्टेशनों ने हवा का लेवल बहुत ज्यादा अनहेल्दी बताया। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत कुल 177 उड़ानें रद्दः दिल्ली हवाई अड्डे पर घने कोहरे के कारण शुक्रवार को उड़ान परिचालन बाधित हुआ और इस कारण कम से कम 177 उड़ानों को रद्द कर दिया गया और 500 से अधिक उड़ानों में विलंब हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत कुल 177 उड़ानें रद्द कर दी गईं। इनमें प्रस्थान और आगमन दोनों शामिल हैं। उड़ानों की जानकारी देने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24डॉट कॉम के अनुसार, हवाई अड्डे पर लगभग 500 उड़ानों के परिचालन में देरी हुई। शुक्रवार दोपहर को एक्स पर एक पोस्ट में, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने कहा कि वह भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के साथ मिलकर काम कर रहा है और वास्तविक समय के मौसम पूवार्नुमान के आधार पर निर्णय लिए जा रहे हैं। दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डीआईएएल ने शाम 7.10 बजे एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दिल्ली हवाई अड्डे पर परिचालन बिना किसी व्यवधान के सामान्य रूप से चल रहा है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुक्रवार को कहा कि उसने दिल्ली से पुणे, रांची, इंदौर, पटना, गोवा, वाराणसी और जोधपुर सहित विभिन्न गंतव्यों के लिए उड़ानें रद्द कर दी हैं, साथ ही कुछ अन्य सेवाएं भी रद्द की हैं। एयरलाइन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ये उड़ानें कोहरे की वजह से रद्द की गईं। इंडिगो ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली एनसीआर, अमृतसर, जबलपुर और जालंधर में आज सुबह भी कड़ाके की ठंड और घना कोहरा छाया हुआ है।

सोलर प्लांट में पानी का टैंक फटने से 3 मजदूरों की मौत, 8 से ज्यादा घायल, मची चीख-पुकार

नागपुर : महाराष्ट्र के नागपुर में एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया है, जिसने औद्योगिक क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है। नागपुर के बुटीबोरी एमआईडीसी फेज-2 स्थित अवाडा सोलर प्लांट में एक विशाल पानी का टैंक अचानक फट गया। पानी के इस सैलाब और मलबे की चपेट में वहां काम कर रहे कई मजदूर आ गए। यह हादसा इतना भयानक था कि 3 मजदूरों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 8 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। टैंक फटने से प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई और चारों तरफ चीख-पुकार शुरू हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, दमकल विभाग और आपातकालीन सेवाओं की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया गया। बचाव दलों ने मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला और घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने तीनों मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतकों की पहचान करने की प्रक्रिया जारी है।

इस हादसे ने एक बार फिर औद्योगिक इकाइयों में श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विस्तृत जांच शुरू कर दी है कि आखिर इतना बड़ा टैंक कैसे फट गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जांच में यह देखा जाएगा कि क्या टैंक के रखरखाव में कोई लापरवाही बरती गई थी या यह कोई तकनीकी खामी थी। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हजारीबाग जमीन घोटाला : कारोबारी विनय सिंह को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

मेट्रो रेज

रांचीः हजारीबाग जमीन घोटाले मामले में झारखंड के बड़े कारोबारी विनय सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 17 दिसंबर 2025 को विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी क्रिमिनल नंबर 202482025) पर सुनवाई करते हुए विनय कुमार सिंह को अंतरिम जमानत प्रदान की है। हालांकि अंतरिम जमानत के बाद भी फिलहाल विनय सिंह जेल से बाहर नहीं निकल पाएंगे। उनपर एक और मामला दर्ज की गई है।

क्या है मामला : मामला झारखंड हाईकोर्ट के 4 दिसंबर 2025 के आदेश (बीए नंबर 104992025) के खिलाफ दायर किया गया था। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की बेंच ने सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया है। आपको बता दें कि यह मामला केस नंबर 112025 एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी), हजारीबाग द्वारा दर्ज किया गया था। जमीन हेराफेरी मामले में मिली शिकायत पर 23 दाखिल-खारिज मामलों की जांच हुई, जिसमें सर्कल अधिकारी, इंस्पेक्टर, राजस्व अधिकारी और कर्मचारी पर सरकारी जमीन के गैर-कानूनी म्यूटेशन का आरोप लगा था। इसी मामले में विनय सिंह को गिरफ्तार किया गया था।

एसीबी ने किया था गिरफ्तारः आपको बता दें कि 25 सितंबर को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने एक कार्रवाई करते हुए हजारीबाग में करोड़ों के जमीन घोटाले में मुख्य आरोपी विनय कुमार सिंह को गिरफ्तार किया था। नेक्सजेन के संचालक विनय कुमार सिंह पर आरोप है कि उन्होंने राजस्व और भूमि सुधार विभाग द्वारा 2013 में रद्द की गई पांच भूखंडों की अवैध जमाबंदी को फिर से स्थापित कर धोखाधड़ी की।

इस केस में एसीबी ने जेल में बंद आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे को भी आरोपी बनाया है। उनकी मिलीभगत से जमीन को अवैध तरीके से कब्जाया गया। विनय सिंह की गिरफ्तारी के बाद जारी प्रेस विज्ञप्ति में एसीबी ने बताया था कि यह कार्रवाई हजारीबाग एसीबी थाना कांड संख्या 11/25 के तहत की गई थी। आरोपी विनय कुमार सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

विनय कुमार पर सरकारी जमीन कब्जा करने का आरोपः जांच में यह खुलासा हुआ है कि विनय कुमार सिंह ने अवैध रूप से इन सरकारी जमीनों पर मालिकाना हक प्राप्त करने के लिए आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे समेत अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर आपराधिक साजिश रची थी। पूर्व विज्ञप्ति के अनुसार, ये भूखंड गैर-मजरूआ खास जंगल-झाड़ी भूमि की श्रेणी में आते हैं, जिन्हें वन विभाग की अनुमति के बिना किसी भी तरह के निर्माण या हस्तांतरण के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

एसीबी ने यह भी बताया था कि इस मामले का खुलासा तब हुआ जब एक रिट याचिका की सुनवाई के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 1996 के एक आदेश का हवाला दिया गया। इस आदेश में स्पष्ट किया गया था कि जंगल में दर्ज की गई किसी भी भूमि को वन विभाग की अनुमति के बिना इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। एसीबी ने बताया था कि विनय कुमार सिंह इस जमीन के लाभार्थी और खरीदार दोनों थे।

हिजाब विवाद पर नीतीश के खिलाफ एफआईआर

महबूबा मुफ्ती की बेटी की धमकी, अगली बार नकाब को हाथ लगाया तो सबक सिखाएंगे

एजेंसी/श्रीनगरः बिहार में एक महिला डाक्टर का हिजाब हटाने को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूसरे राज्यों में भी आलोचना हो रही है। जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती की बेटी और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) नेता इल्तिजा मुफ्ती ने शुक्रवार को बिहार सीएम के खिलाफ श्रीनगर में एफआईटार दर्ज कराई। इल्तिजा मुफ्ती ने नीतीश कुमार को चेतावनी भी दी कि आपको कोई हक नहीं बनता कि आप हमारे नकाब या हिजाब को हाथ लगाएं। अगली बार आपने हमारे हिजाब को हाथ लगाया, तो हम मुसलमान औरतें आपको ऐसा सबक सिखाएंगी कि जिंदगी भर भूलेंगे नहीं। इल्तिजा ने कहा कि नीतीश कुमार ने जो हरकत की, उसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए, लेकिन माफी की बजाय भाजपा के नेता अश्लील बयानबाजी कर रहे हैं।

गिरिराज सिंह कहते हैं कि मुसलमान भाड़ में जाएं। हम भाड़ में क्यों जाएं। अगर आपने मुसलमान महिला का हिजाब छुआ है, तो अंजाम भुगतने को तैयार रहिए। उधर, हिजाब कंट्रोवर्सी के बीच आयुष चिकित्सक डा नुसरत प्रवीण को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर अब विराम लग गया है। गवर्नमेंट तिब्बी कालेज के प्राचार्य डा। महफुजुर रहमान ने स्पष्ट किया है कि डा। नुसरत प्रवीण अपनी सरकारी नौकरी ज्वाइन करेंगी। इस पूरे मामले को बेवजह तूल दिया गया, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है।

पेट्रोल पंप में फ्यूल भराने आई स्कॉर्पियो में लगी आग पुलिस और पंप कर्मियों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

धनबादः जिले के पुटकी थाना क्षेत्र के चिरुडीह स्थित विनोद इंडियन पेट्रोल पंप में शुक्रवार की रात डीजल भरवाने आए एक स्कार्पियो वाहन में अचानक आग लग गई। जिससे कुछ देर के लिए यहां अफरातफरी मच गई। बताया जा रहा है कि पुटकी ओल्ड डीवीसी निवासी विकास कुमार सिंह अपने स्कार्पियो में डीजल भरवाने पहुंचे थे। इसी दौरान गाड़ी से धुआं उठने लगा। धुआं देखते ही पेट्रोल पंप कर्मियों के द्वारा वाहन को पंप परिसर से बाहर निकाल दिया गया। बाहर निकालते ही गाड़ी में भयानक आग लग गई। वहीं पंपकर्मी, पुलिस और दमकलकर्मियों की मदद से आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया। घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

वहीं, घटना को लेकर पुटकी थाना प्रभारी वकार हुसैन ने कहा कि पेट्रोल पंप फ्यूल भराने के लिए स्कॉर्पियो पहुंची थी. फ्यूल भराने के बाद वाहन के अगले टायर में धुंआ उठने के बाद अचानक आग लग गई. जिसके बाद वाहन को पंप से आगे बढ़ाकर खड़ा किया गया था।

धीरे- धीरे आग बोनट ने पकड़ ली और आग की लपटें ऊपर तक उठने लगीं। इसके बाद दमकलकर्मियों को बुलवाया गया, जिसके बाद स्कार्पियो वाहन में लगी आग पर काबू पा लिया गया।

असम में खौफनाक ट्रेन हादसा : राजधानी एक्सप्रेस से टकराने के बाद 8 हाथियों की दर्दनाक मौत

नई दिल्लीः असम में एक दर्दनाक ट्रेन हादसा हुआ। 20 दिसंबर की सुबह एक हाथियों के झुंड के लिए काल बन गयी। असम के होजाई जिले में शुक्रवार देर रात हाथियों का एक झुंड सायरंग-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया जिससे आठ हाथियों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (एनएफआर) के प्रवक्ता ने बताया कि इस घटना में ट्रेन के पांच डिब्बे और इंजन पटरी से उतर गए, हालांकि यात्रियों को कोई चोट नहीं आई। प्रवक्ता ने बताया कि नयी दिल्ली जाने वाली ट्रेन देर रात दो बजकर 17 मिनट पर दुर्घटना का शिकार हो गई।

नगांव के संभागीय वन अधिकारी सुहाश कदम ने को बताया कि यह घटना होजाई जिले के चांगजुराई क्षेत्र में हुई। कदम और वन विभाग के अन्य अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रभावित जमुनामुख-कामपुर खंड से गुजरने वाली ट्रेनों को अप लाइन से गुजारा जा रहा है और रेल यातायात की बहाली का काम जारी है। सायरंग-नयी दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस मिजोरम के सायरंग (आइजोल के पास) को आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) से जोड़ती है।

वन और रेलवे अधिकारी फिलहाल मौके पर मिलकर ट्रैक साफ करने का काम कर रहे हैं। इस सेक्शन से ट्रेनों की आवाजाही अभी भी बंद है। इस घटना से असम में ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। एनएफआर ने एक बयान में कहा कि रेलवे ने अब प्रभावित जमुनामुख कामपुर सेक्शन से गुजरने वाली ट्रेनों को वढ लाइन से डायवर्ट करने का फैसला किया है। बयान में यह भी कहा गया है कि लोको पायलट ने हाथियों के झुंड को देखने के बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाए थे, लेकिन वह घटना को रोक नहीं पाया।

बयान में कहा गया है, पटरी से उतरी ट्रेन, प्रभावित कोचों को अलग करने के बाद गुवाहाटी के लिए रवाना हो गई है। ट्रेन के गुवाहाटी पहुंचने के बाद, प्रभावित कोचों के यात्रियों को बैठाने के लिए अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे, और ट्रेन अपनी यात्रा फिर से शुरू करेगी। इस बीच, जंगली जानवरों, खासकर हाथियों के रेलवे ट्रैक पर दुर्घटनाओं का शिकार होने को लेकर नियमित रूप से चिंताएं जताई गई हैं। भारतीय रेलवे ने ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं। इस साल मार्च में, रेलवे ने कहा था कि उसने ट्रैक पर हाथियों की मौजूदगी का पता लगाने के लिए एक अक्र इनेबल्ड इंट्रूजन डिटेक्शन सिस्टम (आईडीएस) विकसित किया है।

रेलवे के अनुसार, यह सिस्टम लोको पायलटों, स्टेशन मास्टरों और अन्य अधिकारियों को ट्रैक के पास जंगली हाथियों की आवाजाही के बारे में अलर्ट करता है। भारतीय रेलवे ने एक बयान में कहा था, यह डिवाइस हाथियों की सुरक्षा में बहुत प्रभावी बताया गया है।

समाचार सार

जिला अनुकंपा समिति की बैठक आयोजित, तीन मामलों की अनुशंसो

चतरा: उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला अनुकंपा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित प्राप्त आवेदनों की बिंदुवार समीक्षा की गई।बैठक में कुल 09 आवेदनों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें 03 मामलों को सर्वसम्मति से अनुशंसित किया गया। वहीं शेष 06 मामलों में आवश्यक एवं वांछित दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण संबंधित कार्यालय प्रधान को अगली बैठक के पूर्व सभी आवश्यक दस्तावेजों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि अनुकंपा से जुड़े मामलों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र आवेदकों को समय पर लाभ मिल सके।बैठक में जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी दक्षिणी मुकेश कुमार, उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया सन्नी राज, चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

वृंदाहा वॉटरफॉल घूमने आई नाबालिक जोड़ी के साथ लूटपाट, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

रांची : कोडरमा से एक गंभीर सुरक्षा मामला सामने आया है, जिसने स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। तिलैया थाना क्षेत्र के प्रसिद्ध वृंदाहा वॉटरफॉल घूमने गए एक नाबालिग जोड़े के साथ न केवल मारपीट की गई, बल्कि हथियार के बल पर उनका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल भी किया गया। कोडरमा के जरगा पंचायत स्थित वृंदाहा वॉटरफॉल, जो अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए जाना जाता है, अब अपराधियों का सुरक्षित ठिकाना बनता जा रहा है। गुरुवार की सुबह, अपनी क्लासमेट के साथ बाइक से घूमने आए एक छात्र को दो मनचलों ने बीच रास्ते में घेर लिया।

आरोपियों ने सबसे पहले छात्र की बाइक की चाबी छीनी और फिर हथियार का डर दिखाकर छात्र और छात्रा के साथ बदसलूकी की। आरोप है कि अपराधियों ने हथियार के बल पर उन्हें शर्मनाक कृत्य के लिए मजबूर किया और इस पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद आरोपियों की नजर नाबालिगों की जेब पर पड़ी। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उन्होंने 10 हजार रुपए की मांग की। डरे हुए छात्र ने अपने दोस्तों की मदद से 4,635 रुपए ऑनलाइन मंगवाकर आरोपियों के खाते में ट्रांसफर किए। पैसे मिलने के बाद जब अपराधी वहां से चले गए, तो पीड़ित छात्र सीधे तिलैया थाना पहुंचा और पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

जेएसएलपीएस के तहत एफपीओ धान क्रय को लेकर गोदाम का हुआ उद्घाटन

गिद्धौर(चतरा): प्रखंड कार्यालय कैम्पस में जेएसएलपीएस के तहत गिद्धौर महिला आजीविका फार्मर प्रोड्यूसर लिमिटेड के तहत शुक्रवार को धान क्रय केंद्र तथा गोदाम का उद्घाटन किया गया।गोदाम का विधिवत उद्घाटन प्रमुख अनीता यादव, प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल देव, अंचलाधिकारी अनंत सयनम विश्वकर्मा, विधायक प्रतिनिधि कपिल कुमार,सांसद प्रतिनिधि मनोज कुशवाहा, 20 सूत्री अध्यक्ष विनोद कुमार पासवान, जिला परिषद उम्मीदवार बालेसर यादव सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़ व फीता काटकर किया। धान क्रय केंद्र व गोदाम के उद्घाटन के पश्चात एफपीओ अध्यक्ष प्रतिमा देवी ने बताया की समूह से जुड़े एवं धान बिक्री करने को लेकर जितने भी किसान दीदी रजिस्ट्रेशन करवाएं हैं।उन सभी किसान धान एफपीओ में बेच सकते है।आगे इन्होंने बताया कि जेएसएलपीएस के तहत एफपीओ गोदाम में धान बिक्री करने के लिए गिद्धौर प्रखंड से तीन पंचायत मिला है। जिसमें पहरा बारीसाखी और मंझगांवा पंचायत का नाम शामिल है।यहां के किसान दीदी अपना धान एफपीओ में बिक्री कर सकती है। धान बेचने वाले को यह भी बताई की धान पूर्ण रूप से सूखा हुआ होना चाहिए।एवं साफ सुथरा होना चाहिए। मौके पर एफपीओ के कोषाध्यक्ष उषा देवी,एफसी अनिल प्रजापति, सीसी सुनील पासवान,निशांत कुमार,रंजीत कुमार,ऑपरेटर विवेक कुमार,अरुण कुमार दांगी, बीआरपी विजय रजक,योगेश्वर दांगी,सदस्य कंचन देवी,सरिता देवी,सुगी कुमारी,सुरेश प्रसाद राणा,परमेश्वर दांगी सहित कई महिलाएं व पुरुष उपस्थित थे।

झारखंड हाईकोर्ट ने लगाया खुले में मांस बिक्री पर रोक, केंद्र का नियम लागू करने का दिया आदेश

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए खाद्य सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने और खुले में मांस व चिकन की बिक्री पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब तक राज्य अपने नियम नहीं बना लेता, तब तक केंद्र के खाद्य सुरक्षा नियम पूरे राज्य में कड़ाई से लागू किए जाएं।

मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने यह निर्देश श्यामानंद पांडेय द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि राज्य में बकरियों और मुर्गियों का खुले में वध किया जा रहा है और दुकानों पर लटके मांस के टुकड़े आम लोगों के सामने खुले रूप में रखे जाते हैं। इससे न केवल स्वच्छता प्रभावित होती है, बल्कि आम नागरिकों, खासकर बच्चों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

खंडपीठ ने खुले में मांस बिक्री पर नाराजगी जताते हुए राज्य सरकार और रांची नगर निगम को इस मामले में तत्काल ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि केंद्र द्वारा बनाए गए खाद्य सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के वकील ने अदालत को बताया कि राज्य प्रशासन द्वारा खाद्य सुरक्षा के लिए मॉडल नियमों का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि जब तक राज्य के नियम तैयार नहीं हो जाते, तब तक केंद्र सरकार के नियमों का ही कड़ाई से पालन कराया जाए।

बहस के दौरान अदालत को यह भी बताया गया कि खुले में मांस काटने और बेचने से छात्रों और राहगीरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि कई छात्र स्कूल बसों से उतरते समय दुकानों में लटका मांस देखते हैं, जिससे छोटे बच्चों के मन पर गलत प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, याचिकाकर्ता ने यह भी दावा किया कि मांस की गुणवत्ता और स्वच्छता की जांच के लिए कोई प्रभावी तंत्र मौजूद नहीं है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा बना रहता है। हाईकोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 27 फरवरी को निर्धारित की है।

नहीं हुई अलाव की व्यवस्था,चौक-चौराहों पर ठिठुर रहे लोग

संवाददाता

चतरा: जिले में मौसम ने अपने तेवर सख्त कर लिए हैं। आज सुबह पूरा जिला कोहरे की मोटी चादर में लिपटा नजर आया। आलम यह है कि विजिबिलिटी इतनी कम है कि चंद मीटर की दूरी पर भी देख पाना मुश्किल हो रहा है। 9 डिग्री सेल्सियस तक गिरते पारे के बीच जहां जनजीवन पूरी तरह ठप सा हो गया है, वहीं जिला प्रशासन की सुस्ती ने आम लोगों की मुसीबतें और बढ़ा दी हैं। सुबह-सुबह चतरा के गलियों में विजिबिलिटी कम होने के कारण वाहन चालक हेडलाइट जलाकर चलने को मजबूर हैं। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है, जो इस 'सफेद अंधेरे' और कड़ाके की ठंड के बीच स्कूल जाने को मजबूर हैं। वहीं, शहर की चाय दुकानों पर लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है, जहां लोग चाय की चुस्कियों के सहारे ठंड को मात देने की कोशिश कर रहे हैं। जिले का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री से 10.2 डिग्रीके बीच बना हुआ है। कड़ाके की ठंड के बावजूद जिला प्रशासन की ओर से अब तक अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। मॉर्निंग वॉक पर निकले ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जिला मुख्यालय से लेकर प्रखंड स्तर तक कहीं भी आग की व्यवस्था नहीं है। ग्रामीण प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि हर मुख्य चौक-चौराहों पर अविलंब अलाव जलवाए जाएं ताकि राहगीरों और गरीबों को ठिठुरन से राहत मिल सके। लोगों का कहना है कि ठंड के कारण सुबह 9 बजे तक भी सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है।

गैंगस्टर प्रिंस खान की धमकी प्रकरण में एसपी से मिले प्रेम सिंह,कहा-

मेरी सुरक्षा को लेकर गम्भीर नहीं है चतरा पुलिस

संवाददाता

चतरा: जिले के हंटरगंज प्रखंड के व्यवसायी सह लोजपा(आर) नेता प्रेमचंद सिंह ऊर्फ प्रेम सिंह ने गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा धमकी दिए जाने के बाद शुक्रवार को चतरा एसपी सुमित कुमार अग्रवाल से मुलाकात की और सुरक्षा की मांग की। पत्रकारों से बात करते हुए लोजपा नेता प्रेम सिंह ने कहा कि धमकी के बाद उन्होंने स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। परंतु अभी तक पुलिस प्रशासन द्वारा किसी प्रकार की सुरक्षा मुहैया नहीं करवाई गई है। एसपी से मुलाकात कर उन्होंने सुरक्षा की मांग की है। बताया कि एसपी साहब ने कहा है कि थाना प्रभारी को उनके आवास की पेट्रोलिंग के लिए बोल दिया गया है। प्रेम सिंह ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि घटना के बाद पुलिस ने अभी तक एक चौकीदार तक नहीं भेजा है, पेट्रोलिंग तो दूर की बात है। कहा कि उनके साथ इतनी बड़ी घटना हो गई है।उनको सरकारी सुरक्षा कर्मी मिलनी चाहिए थी। परंतु ऐसा नहीं किया जा रहा है। बातचीत के क्रम में श्री सिंह,पुलिस की कार्यशैली से नाराज दिखे। प्रेम सिंह ने आम व्यवसायियों से सुरक्षित रहते हुए व्यवसाय करने की अपील की। वहीं दूसरी ओर एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चतरा में कोई भी असुरक्षित नहीं है। सबकी सुरक्षा का ख्याल रखा जाएगा। गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। प्रिंस खान व उनके गुर्गों के खिलाफ धनबाद और रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में कार्रवाई तेज कर दी गई है।

प्रचार प्रसार के अभाव व खराब मौसम के कारण कैंप में नहीं पहुंचे ग्रामीण

गिद्धौर(चतरा): प्रखंड के गिद्धौर पंचायत सचिवालय भवन में शुक्रवार को सुशासन सप्ताह प्रशासन गांव की और कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का विधिवत उद्घाटन प्रमुख अनीता यादव,बीडीओ राहुल देव व अंचल अधिकारी अनंत शयनम विश्वकर्मा के अलावे जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। शिविर में धान बेचने को लेकर नौ किसानों द्वारा रजिस्ट्रेशन करवाया गया। वहीं दूसरी ओर शिविर में आधार शुद्धिकरण को लेकर कोई व्यवस्था नहीं था।जिसके कारण दर्जनों छात्र छात्राओं एवं ग्रामीणों को बैरंग लौटना पड़ा।हालांकि मौसम खराब रहने के कारण शिविर में ग्रामीणों की भीड़ न के बराबर थी। मौके पर विधायक प्रतिनिधि कपिल कुमार,अंचल व थाना के सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार कुशवाहा,समाजसेवी बालेसर यादव,पंचायत सचिव प्रियंका प्रिया,अंचल निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंहा, राजस्व उप निरीक्षक पप्पू कुमार यादव, जनसेवक चितरंजन शर्मा, उज्जवल कुमार सिंह के अलावे कई अधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

चोरी के दो बोलेरो के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

चतरा: जिले के पत्थलगड्डा थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई में दो पेशेवर चोरों को चोरी की दो बोलेरो वाहन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को यह सफलता गुरुवार की देर रात को मिली,जब रात्री गश्ति के क्रम में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि बीते 11 दिसंबर को पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र से अज्ञात चोरों द्वारा एक सफेद रंग की वोलेरो वाहन संख्या जेएच 18 ई-6095

की चोरी की सूचना मिली थी। सूचना के आलोक में सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल और थाना प्रभारी के नेतृत्व में लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में गुरुवार की देर रात एंटी क्राइम चेकिंग चलाई जा रही थी। इसी क्रम में

चेकिंग के दौरान जगरनाथी गांव के पास पलामू जिला के छतरपुर निवासी पेशेवर चोर रंजीत जायसवाल को फर्जी नंबर प्लेट लगे वाहन के साथ गिरफ्तार किया गया। जब कागजात की जांच की गई तो वाहन पर फर्जी नंबर प्लेट लगे होने की जानकारी मिली। जो पत्थलगड्डा से ही चोरी की गई थी। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ में पता लगा कि चोरी के काम में उसका एक सहयोगी भी है जो हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के चट्टीपेतो गांव का रहनेवाला विकास कुमार है। गिरफ्तार अपराधी की निशानदेही पर कटकमसांडी गांव के पास से विकास कुमार को भी एक चोरी की फर्जी नंबर प्लेट लगी बोलेरो वाहन के साथ गिरफ्तार किया गया। जांच से पता चला कि उक्त वाहन संख्या जेएच01 बीएच 2082 लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र से चोरी की गई है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार दोनों पेशेवर चोरों के विरुद्ध पलामू, चतरा और हजारीबाग जिले में चार चार चोरी व मारपीट के मामले दर्ज हैं। दोनों चोरों के पास से वाहन का लॉक खोलने के लिए लोहे का ढांचा और तीन मोबाइल बरामद किया गया है। छापामारी टीम में शुभम कुमार खण्डेलवाल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमरिया,पुअनि राकेश कुमार, थाना प्रभारी पत्थलगड्डा थाना,सअनि प्रदीप कुमार सिंह (अनुसंधानकर्ता),तकनीकी शाखा के आरक्षी-810 धनेश्वर रविदास और पत्थलगड्डा थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 का आयोजन

युवाओं ने दिखाई बहुआयामी प्रतिभा

चतरा: जिला मुख्यालय स्थित डीएमएफटी हॉल में शुक्रवार को जिला स्तरीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 का सफल आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवकार्य विभाग, झारखंड सरकार, रांची के तत्वावधान में आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए युवक-युवतियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।महोत्सव के अंतर्गत भाषण, सामूहिक लोक गीत, सामूहिक लोक नृत्य, कविता लेखन एवं चित्रकला–कुल पाँच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।भाषण प्रतियोगिता में ज्योति तिर्की ने प्रथम, एमडी मासूम ने द्वितीय तथा राजनंदिनी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामूहिक लोक गीत प्रतियोगिता में शिवानी एंड ग्रुप प्रथम, नेहा एंड ग्रुप द्वितीय एवं अनिशा एंड ग्रुप तृतीय स्थान पर रहे।सामूहिक लोक नृत्य प्रतियोगिता में नेहा एंड ग्रुप को प्रथम, खुशबू एंड ग्रुप को द्वितीय तथा सिमरन साह एंड ग्रुप को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।कविता लेखन प्रतियोगिता में साक्षी कुमारी प्रथम, अभिज्ञान गुप्ता द्वितीय एवं नंदिनी कुमारी तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता में रोहित कुमार ने प्रथम, दीपक कुमार केशरी ने द्वितीय तथा सोनी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम में जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, एनएसएस पदाधिकारी, नेहरू युवा केंद्र के कर्मी तथा जिला खेल कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष मूल्यांकन हेतु जिले के 15 शिक्षक निर्णायक के रूप में शामिल हुए।कार्यक्रम के समापन पर बताया गया कि सभी पाँच प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी आगामी 22 दिसंबर 2025 को हजारीबाग में आयोजित प्रमंडल स्तरीय प्रतियोगिता में चतरा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।जिला स्तरीय इस आयोजन से युवाओं में रचनात्मकता, सांस्कृतिक चेतना एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहन मिला।

झारखंड में चलेगी शीतलहर, अगले चार दिनों तक घने कोहरे का अलर्ट जारी

पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर भारत में बर्फवारी के साथ-साथ दक्षिण-पूर्व की ओर से आ रही हवा के कारण बिगड़ा मौसम का मिजाज

मेट्रो रेज

रांची : पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर भारत में बर्फवारी के साथ-साथ दक्षिण-पूर्व की ओर से आ रही हवा के कारण झारखंड में मौसम की स्थिति बिगड़ गयी है। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, अगले तीन दिनों तक राज्य के 14 जिलों में घना कोहरा और धुंध छाया रहेगा। इनमें रांची समेत गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, देवघर व जामताड़ा जिले शामिल हैं। यह स्थिति 22 दिसंबर तक रहने की संभावना है। इस दौरान शीतलहरी भी चलने की संभावना है। मौसम में बदलाव के कारण रांची समेत नौ जिलों में पारा 10 से नीचे हो गया है।मौसम विभाग ने इन जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं सड़क पर वाहन चलाने वाले व पैदल चलनेवालों को सतर्क रहने की अपील की गयी है।

धूप में नमी के साथ-साथ कनकनी बढ़ीः धूप में नमी के साथ-साथ कनकनी बढ़ी है। सुबह और रात में कुहासा होने से लोगों की परेशानी बढ़ गयी है। शुक्रवार को रांची की विजिबिलिटी 650 मीटर रही, जबकि मेदिनीनगर की 150 मीटर रही। वहीं जमशेदपुर की विजिबिलिटी 800 मीटर और देवघर की 200 मीटर तक रही। शुक्रवार को हजारीबाग में ड्यूटी कर रहे एक पुलिसकर्मी (एएसआइ) की ठंड से मौत हो गयी है। दूसरी तरफ पलामू में ठंड से बचने के लिए अंगीठी जलाकर सोने से दो लोगों की दम घुटने से मौत हो गयी। बरकट्ठा थाना में एएसआइ जूलियस मरांडी (45) की ठंड लगने से मौत हो गयी। जूलियस मरांडी वर्तमान में सीसीआर हजारीबाग में पदस्थापित थे। वह गुरुवार को बरकट्ठा थाना में लंबित कांडों का प्रभार सौंपने आये थे। रात में वह थाना परिसर में ही खाना खाने के बाद सोने चले गये थे। शुक्रवार की सुबह नहीं उठने पर देखा गया कि उनकी मौत हो चुकी थी। उन्हें सहकर्मी तुरंत बरकट्ठा अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घना कोहरा शरीर के लिए हानिकारकः मौसम विभाग ने कहा है कि घना कोहरा व धुंध से फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ सकता है। घने कोहरे में सूक्ष्म कण और अन्य प्रदूषक तत्व होते हैं। यह मुंह या सांस के साथ फेफड़ों में जमा हो जाते हैं। जिससे वह अवरुद्ध हो जाते हैं। इस स्थिति में व्यक्ति गले में घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ महसूस करने लगता है। इसके अलावा घरने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं। अगर हवा में ये प्रदूषक तत्व उजागर होते हैं, तो आंखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं। जिससे आंख में लालिमा या सूजन हो सकती है।

घने कोहरे और ऑपरेशनल कारणों से कई फ्लाइट्स कैंसिल, कई देर से भरीं उड़ान

रांचीः उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण झारखंड में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में घने कोहरे और शीतलहर का असर साफ तौर पर देखा जा रहा है। सुबह और शाम के समय दृश्यता बेहद कम रहने से जनजीवन के साथ-साथ रेल और हवाई सेवाएं भी बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। घने कोहरे और ऑपरेशनल कारणों की वजह से शुक्रवार को भी रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से संचालित होने वाली कई उड़ानों पर असर पड़ा। 19 दिसंबर को इंडिगो और एयर इंडिया की कई फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ीं, जबकि कई फ्लाइट्स अपने निर्धारित समय से घंटों देरी से पहुंचीं या उड़ाने भरीं।

फ्लाइट्स कैंसिल और डिले होने से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। एयरलाइंस ने यात्रियों से अपील की कि वे एयरपोर्ट आने से पहले अपनी फ्लाइट की स्थिति जरूर जांच लें।

वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन फेज-। का भव्य आयोजन

रांची से नई दिल्ली तक युवाशक्ति का अभियान शुरू

मेट्रो रेज

रांचीः मोरहाबादी मैदान में आज वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथॉन फेज-। का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा तथा पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह आयोजन एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रांची द्वारा एनसीसी निदेशालय बिहार एवं झारखंड के निर्देशन में शौर्य के कदम, क्रांति की ओर विषय पर आयोजित किया गया।

धरती आबा वीर बिरसा मुंडा के जीवन और आंदोलन से जुड़े तीन ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करते हुए तीन एनसीसी साइकिल दल मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका पहुंचा, जहां उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम वीर बिरसा मुंडा की शहादत, संघर्ष और समाज सुधार की चेतना को नमन करते हुए युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रप्रेम की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम स्थल पर युवाओं और नागरिकों का उत्साह देखने लायक रहा। संबोधन के दौरान मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा, दिल्ली की ओर बढ़ने वाले एनसीसी कैडेट झारखंड के गौरव-दूत हैं, जो जहां भी जाएंगे, वहां राज्य की संस्कृति, परंपरा और वीर बिरसा मुंडा की प्रेरणा का संदेश फैलाएंगे। उन्होंने साइक्लोथॉन को झारखंड की युवा शक्ति, राष्ट्रभावना और सामाजिक चेतना का सशक्त प्रतीक बताते हुए इसे राज्य के लिए गौरवपूर्ण पहल बताया।

कार्यक्रम के बाद चयनित एनसीसी कैडेट नई दिल्ली की ओर साइकिल यात्रा पर रवाना हुए। उनके स्वागत और सम्मान में स्थानीय नागरिकों व अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे पूरे कार्यक्रम में देशभक्ति और गर्व का माहौल छा गया।

महागठबंधन सरकार नुसरत प्रवीण को देगी मनचाही नौकरीः इरफान अंसारी

मेट्रो रेज

रांचीः स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है कि झारखंड में महागठबंधन सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में महिला डॉक्टर डॉ नुसरत प्रवीण के साथ हुई अमानवीय और शर्मनाक घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। हिजाब खींचने की घटना को उन्होंने केवल एक महिला का नहीं, बल्कि संविधान और इंसानियत का अपमान बताया।

डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि राज्य में बेटियों और डॉक्टरों के सम्मान से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय मानवीय संवेदनाओं और संवैधानिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि डॉ नुसरत प्रवीण को झारखंड में विशेष सम्मान के साथ सेवा का अवसर दिया जा रहा है। इसके तहत उन्हें तीन लाख रुपये मासिक वेतन के साथ सरकारी नौकरी, मनचाही पोस्टिंग, सरकारी फ्लैट, पूर्ण सुरक्षा और सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

डॉ अंसारी ने कहा कि यह फैसला केवल एक नियुक्ति नहीं है, बल्कि महिला सम्मान और पेशेवर गरिमा की जीत है। उन्होंने कहा कि जहां अपमान हुआ, वहां झारखंड सरकार ने इंसानियत, संवेदनशीलता और न्याय की मिसाल पेश की है।

उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड सरकार महिलाओं, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और आगे भी ऐसे निर्णय लिए जाते रहेंगे।

गोलियों की तड़तड़ाहट से कांपी राजधानी, दहशत का माहौल

रांचीः राजधानी रांची में एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजी है। जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद नगड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुटी है। वहीं घटना को अंजाम देने के बाद अपराधियों की बाइक हादसे की शिकार हो गई। जिसमें अपराधी बाइक और पिस्टल छोड़ कर ही भाग गए। बताया जा रहा है कि ताबड़तोड़ सात राउंड फायरिंग की गई है। जिससे पूरा इलाका थर्रा गया। इस घटना की जिम्मेवारी राहुल सिंह गैंग ने ली है। राहुल सिंह गिरोह के द्वारा ही फायरिंग की गई है। बताया जा रहा है कि आभूषण कारोबारी के घर पर गोली चलाई गई है। पूरा मामला रंगदारी से जुड़ा है। कारोबारी को पहले भी धमकी मिली थी। जिसकी शिकायत पुलिस के पास की गई थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। जिसका नतीजा है कि अपराधियों ने घर पर दहशत फैलाने के लिए गोली चलाई है। गोली चलाने के बाद भागते वक्त अपराधियों की बाइक हादसे की शिकार हो गई। दो पिस्टल और बाइक पुलिस ने बरामद किया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुटी है। आस पास के सीसीटीवी कैमरे की जांच की जा रही है साथ ही पूरे मामले की तहकीकात में जुटी है।

अतिक्रमण कोई नई समस्या नहीं,गरीबों का आशियाना उजाड़ना पाप : आलोक दूबे

अतिक्रमण के लिए रिम्स प्रबंधन सबसे अधिक जिम्मेदार

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने रिम्स भूमि प्रकरण को लेकर भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी के बयान पर तीखा पलटवार करते हुए कहा है कि अतिक्रमण कोई आज की समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे देश में दशकों से चली आ रही एक गंभीर सामाजिक-प्रशासनिक समस्या है।

आलोक कुमार दूबे ने सवाल उठाया कि बाबूलाल मरांडी यह स्पष्ट करें कि क्या उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में अतिक्रमण नहीं था? भाजपा शासनकाल में झारखंड अतिक्रमण मुक्त था। यदि अतिक्रमण गलत है तो प्रशासन को अतिक्रमण होने से पहले ही सतर्क रहना चाहिए था। लेकिन हकीकत यह है कि जब गरीब लोग बस रहे थे, तब उन्हें बसने दिया गया, बिजली दी गई, पानी का कनेक्शन दिया गया, होल्डिंग टैक्स वसूला गया, आधार कार्ड से लेकर हर तरह के सरकारी दस्तावेज बने–यानि पूरा सरकारी सिस्टम उस बसावट को मान्यता देता रहा, इतना ही नहीं पूरा समाज इन्हीं गरीबों के सिस्टम पर आधारित है,अगर इन्होंने अपना काम करना बन्द कर दिया तो पूरा शहर,पूरा ठप्प हो जाएगा। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि 20 -25 वर्षों तक जिन लोगों का पूरा जीवन, रोजगार और सामाजिक ढांचा उसी जगह पर खड़ा हो गया, आज अचानक उनके घर तोड़ना अमानवीय है। गरीबों का आशियाना उजाड़ने से बड़ा पाप कोई नहीं हो सकता। जब सरकार खुद उन्हें बसने देती है, सारी सुविधाएँ देती है, और वर्षों तक टैक्स वसूलती है, तो फिर वर्षों बाद उन्हें उजाड़ना किस तरह का न्याय है?

उन्होंने दोहरे मापदंडों पर भी सवाल खड़ा किया। एक तरफ सरकार गरीबों को आवास देने की योजनाएँ चला रही है, कंबल बाँटे जा रहे हैं, और दूसरी तरफ उन्हीं गरीबों के बने-बसाए घर तोड़े जा रहे हैं। यह कैसा विरोधाभास है?

श्री दूबे ने स्पष्ट किया कि न्यायालय के आदेश पर कोई सवाल नहीं है और कांग्रेस न्यायालय के सम्मान में पूरी तरह खड़ी है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि इस स्थिति के लिए जिम्मेदार वह प्रशासनिक तंत्र है, जिसने समय रहते कार्रवाई नहीं की और गरीबों को भ्रम में रखकर बसने दिया। उन्होंने भाजपा पर सीधा आरोप लगाते हुए बाबूलाल मरांडी इस संवेदनशील मुद्दे पर केवल राजनीतिक रोटी सेंक रहे हैं। यदि वास्तव में उन्हें गरीबों की चिंता होती, तो वे अपने कार्यकाल और भाजपा शासन के दौरान पनपे ऐसे मामलों पर आत्ममंथन करते। अंत में कांग्रेस महासचिव ने मांग की कि निर्दोष और गरीब परिवारों को उजाड़ने से पहले प्रशासन मानवीय दृष्टिकोण अपनाए, उन्हें वैकल्पिक व्यवस्था दे और इस पूरे प्रकरण में प्रशासनिक लापरवाही की जिम्मेदारी तय करे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए फहीम अहमद सम्मानित

रांची : विश्व अल्पसंख्यक अधिकार दिवस पर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग द्वारा रांची स्थित हज हॉउस में झारखंड राज्यस्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों में कार्यरत कुछ व्यक्तित्व को सम्मानित किया गया। जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता इकरा मस्जिद के अध्यक्ष फहीम अहमद को आयोग द्वारा झारखंड सरकार के माननीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफिजूल हसन अंसारी,अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदातुल्लाह खान,आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम,उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारु उपाध्यक्ष सोलोमन,जेएमएम के केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य के हाथों अंगवस्त्र,स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जिसमें आयोग के श्रीमान सदस्य एवं अन्य झारखंड भर के अल्पसंख्यक समुदाय के जिम्मेदार/बुध्दिजीवी शामिल थे। फहीम अहमद ने झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के माननीय अध्यक्ष,उपाध्यक्ष,सदस्य समेत सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री महोदय का बेहद आभार प्रकट किया । इस मौके पर तौसीफ खान भी मौजूद थे।

अच्छे विचार और संस्कार देने के लिए प्रज्ञा पाठशाला जरूरीः प्रधानाध्यापक

रांचीः साप्ताहिक कार्यक्रम के अनुसार आज शनिवार को गायत्री युगतीर्थ शक्तिपीठ सेक्टर टू धुर्वा में सुबह युग निर्माण कन्या विद्यालय के प्रधानाध्यापक नरोत्तम महतो सहित अवकाशप्राप्त प्रधानाध्यापक समीर कुमार और अध्यापक, अध्यापिकाएं और छात्र- छात्राओं ने मिलकर बाल संस्कार मंडल व आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी प्रतिनिधित्व में 3 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सोल्लास,सोत्साह संपन्न कराया। आज पूरा यज्ञीय कर्मकाण्ड विधान प्रतिभा प्रिया बहिन के माध्यम से संपन्न हुआ।

इस अवसर पर करीब 3 दर्जन विद्यार्थी गण शामिल रहे। गायत्री महामंत्र तथा महामृत्युंजय महामंत्र की मंगलमय आहुति प्रदान की गई। सर्वजनहिताय सर्वजन सुखाय, वसुधैव कुटुंबकम व

विश्व बंधुत्व संवर्धन हेतु गुरुवरश्रीपूज्यवर व वेदमातागायत्री माता से वंदना की गई। साथ ही गायत्री परिवार की बाल संस्कार योजना व आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी,गृहे गृहे यज्ञीय कार्यक्रम विस्तार पर संक्षिप्त प्रकाश डालकर यज्ञीय जयघोष के साथ यज्ञीय कार्यक्रम संपन्न हुआ।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–मेघा कच्छप उम्र–18 वर्ष, उँचाई–5 फीट, रंग–सॉवला, पहनावा–गुलाबी रंग का सलवार कमीज एवं भूरा रंग का स्वेटर पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता लड़की मेघा कच्छप, उम्र–18 वर्ष, पिता–स्व0 हेम्बो कच्छप, ग्राम–कल्याणपुर, थाना–जगरनाथपुर, जिला–राँची जो दिनांक–04.12.2025 को घर से बगैर बताए कहीं चली जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में जगरनाथपुर थाना सनहा संख्या–27/2025, दिनांक–04.12.2025 दर्ज कर इनकी खाजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता लड़की कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची। –9431706143

थाना प्रभारी, जगरनाथपुर, राँची। –9431706169

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 369031 Police(25-26).D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

राष्ट्रवादी विचारों का संकल्प

गोवा को आजाद हुए आज 64 वर्ष पूरे हो गए। इसे हर वर्ष गोवा मुक्ति दिवसह्ल के रूप में मनाया जाता है। मुक्ति दिवस एक ऐसा राष्ट्रवादी विचारों वाला अहसास है जो प्रत्येक भारतीयों में अपने अधिकारों के लिए लड़ने को न सिर्फ प्रेरित करता है बल्कि सहासिक संबल भी प्रदान करता है। 15 अगस्त 1947 को जब पूरा देश स्वतंत्रता का उत्सव मना रहा था, तब गोवा पुर्तगाली शासन की जंजीरों में जकड़ा था। गोवा मुक्ति दिवस इसी अन्याय के अंत और गोवा की वास्तविक आजादी का जश्न है। भारत की आजादी के 14 वर्षों बाद गोवा मुक्त हुआ। इसे ह्यगोवा क्रांतिह्ल के नाम से जाना जाता है जिसकी आज 64 वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। गोवा की आजादी के लिए सैन्य बलों और क्रांतिकारियों ने 19 दिसंबर की तारीख तय की थी। यह गोवा में पुर्तगाली औपनिवेशिक शासन के अंत और हिंदुस्तानी सशस्त्र बलों के साहसिक अभियान का प्रतीक है।

गौरतलब है कि 16वीं शताब्दी से पुर्तगालियों ने गोवा पर कब्जा करना आरंभ कर दिया था। साल 1498 में ह्यवास्कोडिगामाह्ल समुद्री मार्ग से भारत पहुंच कर पुर्तगालियों को धीरे-धीरे भारत के तटीय क्षेत्रों में बसाना शुरू कर दिया था। उसके बाद उन्होंने अपने व्यापारिक और राजनीतिक किले बनाने आरंभ किए। धीरे-धीरे उन्होंने वर्चस्व स्थापित कर लिया। उनके साम्राज्य का 1961 में अंत कर दिया गया। गोवा को आजाद कराने के लिए भारतीय सैन्य अभियान इतना तेज शुरू हुआ कि उसके सामने पुर्तगाली सेना महज कुछ घंटे टिक सकी। अभियान के बीच में ही करीब 10 हजार पुर्तगाली सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर हथियार जमीन पर डाल दिए। वर्ष 1961 में भारतीय सेना ने अपने अदम्य शौर्य से ह्यऑपरेशन विजयह्ल के तहत गोवा को करीब 450 साल के पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया। भारतीय सेना ने लगभग 36 से 40 घंटे बिना रूके सैन्य अभियान चलाकर गोवा, दमन और दीव को पुर्तगालियों के चुंगल से छुड़वाने में सफलता हासिल की थी। गोवा सन 1510 से लेकर 1961 तक पुर्तगालियों के कब्जे में रहा। पुर्तगाली किसी भी स्थिति में गोवा छोड़ना नहीं चाहते थे। गोवा की प्राकृतिक सुंदरता और कुदरती संपदा पर वे कब्जा बनाए रखना चाहते थे। भारत को अंग्रेजों से 1947 में आजादी मिल गई लेकिन गोवा तब भी पुर्तगालियों का गुलाम रहा। इसलिए उस समय भारत को पूर्ण आजाद नहीं माना जा रहा था क्योंकि देश का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पर्तगालियों के शासन में था। गोवा की आजादी के लिए स्वतंत्रता संग्राम 1940 के दशक में शुरू हुआ। साल 1946 में डॉ. राममनोहर लोहिया ने पुर्तगालियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए भारतीयों को प्रेरित किया। उनके आह्वान को स्वीकारते हुए गोवा मुक्ति की लड़ाई राष्ट्रवादी विचारों से प्रभावित लोगों ने सामूहिक रूप से लड़ी, जिसका नजीता ये निकला कि गोवा मुक्त हुआ।

गोवा को मुक्त करवाने के लिए क्रांतिकारियों ने सबसे पहले अहिंसा, शांति पाठ और कूटनीतिक रास्ता अपनाया। लेकिन उनकी उदारता का पुर्तगाल सेना ने नाजायज फायदा उठाकर अपना दमन जारी रखा। आखिरकार आंदोलनकारियों ने भी हथियार उठाए।

साल 1947 के बाद गोवा में स्वतंत्रता की भावना और तेज हुई। गोवा मुक्ति को लेकर आंदोलन न सिर्फ गोवा में हुए बल्कि पूरे देश में यह अभियान तेज हुआ। डॉ. राममनोहर लोहिया जैसे राष्ट्रीय नेताओं ने गोवा आकर आंदोलन की दिशा को धार दी। कई गुमनाम क्रांतिकारी भी कूदे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने भी मोर्चा संभाला। सत्याग्रह, विरोध प्रदर्शन और जनसभाओं के जरिए पुर्तगाली शासन के खिलाफ आवाज उठाई। पुर्तगाली सरकार ने आंदोलन को कठोरता से दबाने का प्रयास किए, कई स्वतंत्रता सेनानियों को जेल में डाल कर उनपर अत्याचार और जुल्म किए।

इसके बाद भारत सरकार ने सेना को लगाया। सेना ने ह्यऑपरेशन विजयह्ल चलाकर पुर्तगालियों की कमर तोड़ दी। गोवा की आजादी के लिए यह ऑपरेशन निर्णायक साबित हुआ। 17 दिसंबर 1961 को ऑपरेशन आरंभ हुआ था।

भारत की आर्थिक विकास दर ने पूरे विश्व को चौंकाया

वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.6 प्रतिशत रही थी। विशेष रूप से विनिर्माण एवं सेवा के क्षेत्र में वृद्धि दर अतुलनीय रही है। विनिर्माण के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर रही थी जो वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में बढ़कर 9.1 प्रतिशत की हो गई है। इसी प्रकार, सेवा क्षेत्र में भी वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत की रही है। वित्तीय, रियल एस्टेट एवं प्रोफेशनल सेवाओं में तो वृद्धि दर बढ़कर 10.2 प्रतिशत (पिछले वर्ष इसी अवधि में 7.2 प्रतिशत) एवं जन प्रशासन, डिफेंन्स एवं अन्य सेवाओं में वृद्धि दर 9.7 प्रतिशत (पिछले वर्ष 8.9 प्रतिशत) की रही है। व्यापार, होटल, यातायात एवं कम्यूनिकेशन में भी वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत (पिछले वर्ष 6.1 प्रतिशत)। केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं डिफेन्स के क्षेत्र में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में जरूर वृद्धि पिछले वर्ष 4.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 3.5 प्रतिशत हो गई है एवं कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र में भी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 7.2 प्रतिशत रही है। जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आंकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती। क्योंकि, वैश्विक स्तर पर इतनी विपरीत परिस्थितियों के बीच एवं विकसित देशों में विकास की धीमी दर एवं कुछ देशों में तो विकास दर के ऋणात्मक रहने के चलते (डएउऊदेशों की आर्थिक विकास दर 2 प्रतिशत के भी नीचे है), भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के ऊपर कैसे रह सकती है। साथ ही, विभिन्न वित्तीय संस्थानों यथा, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, एशियाई विकास बैंक, विश्व व्यापार संगठन के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर को 7 प्रतिशत के आसपास रहने का अनुमान जताया था। फिर, भारत की आर्थिक विकास इस अवधि में 8.2 प्रतिशत कैसे रह सकती है? हाल ही के समय में केंद्र सरकार ने भारत में आर्थिक क्षेत्र को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। इन सुधार कार्यक्रमों का असर अब भारत की आर्थिक विकास दर में तेजी के रूप में दिखाई देने लगा है। आयकर की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया है और इसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में लागू किया जा चुका है। भारत में 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों को (लगभग 10 प्रतिशत तक) कम कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों (रेपो दर) में एक प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है एवं दिसम्बर 2025 माह में 25 आधार बिंदुओं की एक और कटौती की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भारत की मातृशक्ति के बैंक खातों, किसानों के बैंक खातों एवं गरीब वर्ग के बैंक खातों में सीधे ही सहायता की राशि जमा की जा रही है। साथ ही, भारत के लगभग 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज प्रति माह उपलब्ध कराया जा रहा है। उक्त उपायों का स्पष्ट असर यह हो रहा है कि भारत के दूर दराज इलाकों में निवासरत गरीब वर्ग के हाथों में सीधे पैसा पहुंच रहा है, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ रही है एवं वे इस पैसे से कई प्रकार के उत्पादों का सेवन करने लगे हैं और जिससे अंततः देश में इन उत्पादों की मांग में भारी वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है।

काकोरी कांड: आजादी के संघर्ष का अमर अध्याय

काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारी केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माने जाते हैं।

योगेश कुमार गोयल

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल राजनीतिक आंदोलनों, प्रस्तावों और समझौतों का क्रम नहीं है बल्कि यह उन असंख्य क्रांतिकारियों की त्यागमयी गाथा भी है, जिन्होंने मातृभूमि की आजादी के लिए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन बलिदानों ने गुलामी की जड़ों को भीतर से हिलाया और जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि अंग्रेजी हुकूमत अजेय नहीं है। ऐसी ही एक ऐतिहासिक और निर्णायक घटना है काकोरी कांड, जिसने न केवल ब्रिटिश सत्ता को गहरी चुनौती दी बल्कि भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की।

काकोरी कांड भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष का वह अध्याय है, जिसने सिद्ध कर दिया कि आजादी केवल याचिकाओं और प्रार्थनाओं से नहीं मिलेगी बल्कि उसके लिए साहस, संगठन और बलिदान की आवश्यकता होगी। यही कारण है कि काकोरी कांड में शामिल क्रांतिकारी केवल इतिहास के पात्र नहीं बल्कि क्रांति की नींव रखने वाले शूरवीर माने जाते हैं। उनकी शहादत की स्मृति में हर वर्ष 19 दिसम्बर को काकोरी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो हमें स्वतंत्रता की कीमत और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी का बोध कराता है। बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में भारत का राजनीतिक परिदृश्य तीव्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन ने देश में जन-जागरण की लहर पैदा की थी। साल 1920 में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के लिए गंभीर चुनौती बन गया था लेकिन फरवरी 1922 में चौरी-चौरा कांड के बाद गांधीजी द्वारा आंदोलन वापस लिए जाने से देश के एक बड़े वर्ग, विशेषकर युवा क्रांतिकारियों में गहरी निराशा फैल गई। वे मानते थे कि जब अंग्रेज दमन और हिंसा का सहारा ले रहे हैं तब केवल अहिंसा के माध्यम से आजादी पाना कठिन है।

यही वह ऐतिहासिक मोड़ था, जहां से संगठित क्रांतिकारी आंदोलन ने नई दिशा पकड़ी। निराश लेकिन दृढ़ निश्चयी युवाओं ने यह ठान लिया कि वे किसी भी कीमत पर स्वतंत्रता के लक्ष्य से पीछे नहीं हटेंगे। इसी सोच के परिणामस्वरूप साल 1923 में शचीन्द्रनाथ सान्याल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) की स्थापना हुई। इस संगठन का उद्देश्य केवल ब्रिटिश शासन का विरोध करना नहीं बल्कि एक ऐसे स्वतंत्र, गणराज्यात्मक भारत की स्थापना करना था, जहां शोषण और अन्याय का कोई स्थान न हो।

एचआरए के प्रमुख सदस्यों में राम प्रसाद बिस्मिल, योगेशचंद्र चटर्जी, शचीन्द्रनाथ बख्शी जैसे साहसी क्रांतिकारी शामिल थे। बाद में चंद्रशेखर आजाद और भगत सिंह जैसे तेजस्वी क्रांतिकारी भी इस विचारधारा से जुड़े। संगठन का स्पष्ट मत था कि क्रांति के लिए संसाधन चाहिए और संसाधनों के लिए धन। लेकिन चंदा मांगना न केवल संगठन की गोपनीयता को खतरे में डाल सकता था बल्कि अंग्रेजी खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर सकता था। ऐसे में निर्णय लिया गया कि ब्रिटिश सरकार के ही खजाने को निशाना बनाया जाए। इस विचार को कार्यरूप देने की जिम्मेदारी संगठन के सेनापति रामप्रसाद बिस्मिल को सौंपी गई। प्रारंभिक प्रयासों में क्रांतिकारियों ने कुछ धन जुटाने की कोशिश की लेकिन वह हथियारों और क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए पर्याप्त नहीं था। अंततः यह निर्णय लिया गया कि सीधे सरकारी खजाने पर हाथ डाला जाए। यह फैसला न केवल साहसिक था बल्कि अत्यंत जोखिम भरा भी क्योंकि असफलता की स्थिति में इसका परिणाम मृत्यु या आजीवन कारावास हो सकता था। 8 अगस्त 1925 को बिस्मिल के घर गुप्त बैठक हुई, जिसमें ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की विस्तृत योजना बनाई गई। अगले ही दिन 9 अगस्त 1925 को एचआरए के 10 क्रांतिकारी सहारनपुर-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन में सवार हुए। इनमें रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, चंद्रशेखर आजाद, राजेंद्र लाहिड़ी, शचीन्द्रनाथ बख्शी, मन्मथनाथ गुप्त, मुरारी शर्मा, बनवारी लाल, केशव चक्रवर्ती और मुकुंदी लाल शामिल थे। लखनऊ के निकट काकोरी रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन की चेन खींच कर उसे रोका गया। योजना के अनुसार, राजेंद्र लाहिड़ी ने नेतृत्व संभाला और कुछ ही क्षणों में सरकारी खजाने को कब्जे में ले लिया गया। यह कार्रवाई इतनी सुनियोजित थी कि यात्रियों को अधिक नुकसान नहीं हुआ। हालांकि दुर्भाग्यवश एक आकस्मिक गोली चलने से एक यात्री की मृत्यु हो गई, जिसे बाद में ब्रिटिश सरकार ने पूरे मामले को और अधिक संगीन बनाने के लिए प्रमुख आधार बनाया। इस लूट में कुल 4601 रुपये प्राप्त हुए जो उस समय एक बड़ी राशि थी। अगले ही दिन यह खबर अखबारों के माध्यम से पूरे देश और विदेश में फैल गई। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स तक में इस घटना की चर्चा हुई। ब्रिटिश सरकार हिल गई और उसने इसे अपनी सत्ता के लिए खुली चुनौती माना। इसके बाद जो दमनचक्र चला, वह भारतीय इतिहास के सबसे कठोर अभियानों में से एक था। ब्रिटिश सरकार ने एचआरए के लगभग 40 क्रांतिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाया। लंबी सुनवाई और कठोर पूछताछ के बाद अंग्रेजी अदालत ने 4 क्रांतिकारियों को फांसी की सजा सुनाई। राजेंद्रनाथ लाहिड़ी को 17 दिसम्बर 1927 को गोंडा जेल में फांसी दी गई। इसके दो दिन बाद 19 दिसम्बर 1927 को राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और रोशन सिंह को अलग-अलग जेलों में फांसी दे दी गई। इन फांसियों ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल बने बिस्मिल और अशफाक की मित्रता ने यह सिद्ध कर दिया कि स्वतंत्रता संग्राम किसी एक धर्म या समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का संघर्ष था। उनकी शहादत ने असहयोग आंदोलन के बाद ठहर गई क्रांतिकारी चेतना को फिर से प्रज्वलित कर दिया।

काकोरी कांड का सबसे अनछुआ पहलू यह है कि यह केवल धन लूट की घटना नहीं थी बल्कि यह एक वैचारिक विद्रोह था, जिसका उद्देश्य अंग्रेजी शासन की नैतिक वैधता को चुनौती देना और यह संदेश देना था कि भारत अब दासता स्वीकार नहीं करेगा। इस घटना ने आगे चलकर भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और सुभाषचंद्र बोस जैसे नेताओं को भी गहराई से प्रभावित किया।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती यहूदी विरोधी हिंसा

यहूदी समुदाय भी इस सामाजिक संरचना का सशक्त और सम्मानित हिस्सा रहा है। किंतु हाल के वर्षों में, विशेषकर साल 2023 के बाद यहूदी संस्थानों, सभास्थलों और व्यक्तियों के विरुद्ध लक्षित हिंसा की घटनाओं में वृद्धि ने इस धारणा को गंभीर चुनौती दी है। आगजनी, नफरत, धमकियाँ और हमलों की घटनाएँ केवल आपराधिक कृत्य नहीं हैं बल्कि वे ऑस्ट्रेलियाई समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण, असहिष्णुता और असुरक्षा की गहरी परतों को उजागर करती हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

ऑस्ट्रेलिया को लंबे समय तक ऐसे बहुसांस्कृतिक लोकतंत्र के रूप में देखा गया है, जहाँ विविध धार्मिक, नस्ल और सांस्कृतिक समुदायों ने अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का अनुभव किया। यहूदी समुदाय भी इस सामाजिक संरचना का सशक्त और सम्मानित हिस्सा रहा है। किंतु हाल के वर्षों में, विशेषकर साल 2023 के बाद यहूदी संस्थानों, सभास्थलों और व्यक्तियों के विरुद्ध लक्षित हिंसा की घटनाओं में वृद्धि ने इस धारणा को गंभीर चुनौती दी है। आगजनी, नफरत, धमकियाँ और हमलों की घटनाएँ केवल आपराधिक कृत्य नहीं हैं बल्कि वे ऑस्ट्रेलियाई समाज में बढ़ते ध्रुवीकरण, असहिष्णुता और असुरक्षा की गहरी परतों को उजागर करती हैं। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यहूदी विरोधी हिंसा क्यों बढ़ रही है और शासन व्यवस्था आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नागरिक स्वतंत्रता का संतुलन कैसे बनाए।

यहूदी विरोधी हिंसा के उभार को समझने के लिए सबसे पहले वैश्विक भू-राजनीतिक संदर्भ पर ध्यान देना आवश्यक है। इजराइल-गाजा संघर्ष जैसे अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रह गए हैं। डिजिटल मीडिया और वैश्विक सूचना प्रवाह के कारण इनका प्रभाव दूरस्थ समाजों तक तत्काल पहुँचता है। ऑस्ट्रेलिया में भी इस संघर्ष ने भावनात्मक ध्रुवीकरण को जन्म दिया है, जहाँ विदेश नीति या सैन्य कार्रवाइयों की आलोचना कई बार यहूदी समुदाय के सामूहिक दोषारोपण में बदल जाती है। राजनीतिक असहमति और धार्मिक-जातीय पहचान के बीच की यह रेखा धुंधली पड़ना यहूदी विरोधी हिंसा को वैचारिक वैधता प्रदान करता है।

इसके साथ ही चरमपंथी विचारधाराओं का विस्तार एक गंभीर कारक बनकर उभरा है। दक्षिणपंथी अतिवाद, श्वेत वर्चस्ववादी सोच और कुछ कट्टरपंथी नेटवर्क लंबे समय से यहूदियों को षड्यंत्र सिद्धांतों से जोड़ते रहे हैं। डिजिटल युग में इन विचारों का प्रसार तेज और व्यापक हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और ऑनलाइन फोरम ऐसे ह्यइको-चैम्बर्सह्ल बनाते हैं, जहाँ नफरत को सामान्य व्यवहार की तरह प्रस्तुत किया जाता है। जब व्यक्ति लगातार एक ही प्रकार की भड़काऊ सामग्री देखता है तो हिंसा धीरे-धीरे वैध और आवश्यक प्रतिक्रिया के रूप में चित्रित होने लगती है। दुष्प्रचार और साजिश की कथाएँ भी यहूदी विरोधी हिंसा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ऐतिहासिक रूप से यहूदियों को आर्थिक संकटों, महामारी और राजनीतिक अस्थिरता के लिए दोषी ठहराने की प्रवृत्ति रही है। आधुनिक समय में यही प्रवृत्ति सोशल मीडिया के माध्यम से नए रूप में सामने आती है। कोविड-19 महामारी, वैश्विक आर्थिक मंदी या अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से जुड़ी जटिलताओं को यहूदी समुदाय से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। बार-बार दोहराए जाने पर ये झूठे आख्यान सामाजिक चेतना में स्थान बना लेते हैं और हिंसा के लिए मानसिक आधार तैयार करते हैं।

आंतरिक सुरक्षा ढांचे की कुछ संरचनात्मक कमजोरियाँ भी इस समस्या को गहराती हैं। हाल की घटनाओं ने यह सवाल उठाया है कि हथियार लाइसेंसिंग प्रणाली, मानसिक स्वास्थ्य आकलन और खुफिया निगरानी कितनी प्रभावी है। यदि संभावित हिंसक प्रवृत्तियों के संकेत समय रहते पहचान में न आएँ तो तथाकथित ह्यलोन वुल्फह्ल हमले गंभीर नुकसान पहुँचा सकते हैं। यह केवल पुलिस की विफलता नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था को चुनौती है, जहाँ जोखिमों का पूवार्नुमान और समय पर हस्तक्षेप अत्यंत आवश्यक होता है।इन परिस्थितियों में शासन के सामने आंतरिक सुरक्षा और लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है।लोकतांत्रिक समाज में सुरक्षा का अर्थ केवल कठोर कानून और निगरानी नहीं हो सकता। राज्य की पहली जिम्मेदारी कानून के शासन को बनाए रखना है, जिसमें घृणा अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई शामिल है। यहूदी विरोधी हिंसा के मामलों में सख़्त अभियोजन और दंड का स्पष्ट संदेश देना आवश्यक है कि समाज में नफरत और हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। साथ ही, पीड़ितों को न्याय और सहायता उपलब्ध कराना विश्वास बहाली के लिए अनिवार्य है।खुफिया तंत्र का समन्वय आंतरिक सुरक्षा की रीढ़ है। संघीय और राज्य स्तर की एजेंसियों के बीच सूचना साझा करने में देरी या असंगति संभावित खतरों को अनदेखा कर सकती है।ऑनलाइन कट्टरपंथ की निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों का विश्लेषण और समय रहते हस्तक्षेप- ये सभी उपाय आवश्यक हैं। किंतु यह निगरानी लक्षित और अनुपातिक होनी चाहिए। अंधाधुंध निगरानी न केवल नागरिकों की गोपनीयता का उल्लंघन करती है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास भी पैदा कर सकती है। डिजिटल स्पेस का शासन आज आंतरिक सुरक्षा का अनिवार्य घटक बन चुका है। ऑनलाइन घृणा से भाषण और दुष्प्रचार को नियंत्रित किए बिना यहूदी विरोधी हिंसा पर अंकुश लगाना कठिन है। इसके लिए प्लेटफॉर्म जवाबदेही, पारदर्शी नियम और त्वरित कार्रवाई तंत्र आवश्यक हैं। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि वैध राजनीतिक असहमति और शांतिपूर्ण विरोध को दबाया न जाए।अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल है और सुरक्षा उपायों को इसे कमजोर नहीं करना चाहिए।आंतरिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण किंतु अक्सर उपेक्षित पक्ष सामुदायिक सहभागिता है। यहूदी समुदाय और अन्य अल्पसंख्यकों के साथ विश्वास आधारित संवाद सुरक्षा प्रयासों को अधिक प्रभावी बनाता है। जब समुदाय स्वयं को राज्य का साझीदार महसूस करता है तो वह संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने और कट्टरपंथी प्रभावों का प्रतिरोध करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। सामुदायिक नेताओं की भागीदारी, शिकायत निवारण तंत्र और पीड़ित सहायता सेवाएँ सामाजिक एकजुटता को मजबूत करती हैं।शिक्षा और सार्वजनिक विमर्श दीर्घकालिक समाधान की कुंजी हैं। यहूदी विरोधी हिंसा की जड़ें केवल वर्तमान राजनीतिक घटनाओं में नहीं बल्कि ऐतिहासिक पूर्वाग्रहों में भी निहित हैं। होलोकॉस्ट शिक्षा, बहुसांस्कृतिक पाठ्यक्रम और अंतर-धार्मिक संवाद नफरत के विरुद्ध सामाजिक प्रतिरक्षा विकसित कर सकते हैं। मीडिया की भूमिका भी निर्णायक है। जिम्मेदार रिपोर्टिंग, तथ्यों की जाँच और भड़काऊ भाषा से परहेज सामाजिक तनाव कम कर सकता है।

यहूदी विरोधी हिंसा के प्रति राज्य की प्रतिक्रिया ऑस्ट्रेलिया के लोकतांत्रिक मूल्यों की भी परीक्षा है। यदि सुरक्षा उपाय किसी विशेष समुदाय को संदिग्ध ठहराने लगें या असहमति को कुचलने का माध्यम बन जाएँ तो वे स्वयं समस्या का हिस्सा बन सकते हैं। इसलिए अधिकार आधारित सुरक्षा दृष्टिकोण आवश्यक है, जिसमें सुरक्षा और स्वतंत्रता को परस्पर पूरक माना जाए। विदेश नीति की आलोचना और यहूदी विरोधी नफरत के बीच स्पष्ट अंतर करना इस संतुलन का केंद्रीय तत्व है। अंततः, ऑस्ट्रेलिया में बढ़ती यहूदी विरोधी हिंसा केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है बल्कि यह सामाजिक चेतावनी भी है। यह दिखाती है कि वैश्विक ध्रुवीकरण, डिजिटल दुष्प्रचार और आंतरिक कमजोरियाँ मिलकर किस प्रकार लोकतांत्रिक समाजों को अस्थिर कर सकती हैं। इसका समाधान न तो केवल सख़्त कानूनों में है और न ही पूर्ण उदारता में बल्कि संतुलित, अधिकार-सम्मत और समुदाय-केंद्रित रणनीति में निहित है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

शिरडी साईं बाबा के दर्शन, यात्रा से जुड़ी हर डिटेल्स

शिरडी एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जोकि महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में स्थित है। दूर-दूर तक शिरडी के साईं की प्रसिद्धि है। हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु साईं बाबा के दर्शन के लिए आते हैं। वहीं जो लोग पहली बार शिरडी जाने का प्लान कर रहे होते हैं, उनके दिमाग में तरह-तरह के सवाल आते हैं। ऐसे में अगर आपके जहन में भी यह सवाल आ रहे हैं कि कैसे जाएं, कहां रुकें तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप शिरडी कैसे जाएं। माना जाता है कि शिरडी साईं बाबा की धरती है, जहां पर साईं ने अपने चमत्कारों से लोगों को विस्मृत कर दिया था। साईं बाबा की जीवन शिरडी में बीता और वहां पर उन्होंने कई लोक कल्याणकारी कार्य किए हैं।

साईं बाबा मंदिर

शिरडी में साईं बाबा का एक विशाल मंदिर है। धार्मिक मान्यता है कि चाहे गरीब हो या अमीर, साईं बाबा के दर्शन करने वाला कोई भी शख्स कभी खाली हाथ नहीं लौटता है। मंदिर में दर्शन करने मात्र से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। साईं बाबा के दर्शन मात्र से लोगों के कष्ट दूर हो जाते हैं। इस पावन धाम में साईं बाबा का एक विशाल मंदिर है, जिसको विश्व के अमीर मंदिरों में से एक माना जाता है। माना जाता है कि इस मंदिर से कई बड़े चमत्कार जुड़े हुए हैं। इन चमत्कारों को सुनने के बाद हर कोई यहां खिंचा चला आता है।

ऐसे पहुंचे शिरडी

बता दें कि शिरडी जाने के लिए आप कई तरह की सुविधाओं का आनंद ले सकते हैं। आप चाहें तो वायुमार्ग, सड़क मार्ग और ट्रेन तीनों से ही आ सकते हैं। वहीं आप रेलवे स्टेशन या फिर एयरपोर्ट ये टैक्सी या कैब आदि कर सकते हैं। जोकि आपको सीधे साईं मंदिर ले जाएंगी। वहीं साईं मंदिर से एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन दोनों ही 10-12 किमी दूर है। वहीं अगर आप ट्रेन से आ रहे हैं, तो कोपरगांव उतरें। लेकिन अगर फ्लाइट से आ रहे हैं, तो शिरडी एयरपोर्ट उतरें।

कहां रुकें

आपको शिरडी में रुकने के लिए एक से बढ़कर एक जगह मिल जाएगी। यहां पर रुकने के लिए आपको कई होटल मिल जाएंगे। वहीं यहां कई संस्थानों की ओर से कई धाम बनाए गए हैं, जहां पर एडवांस बुकिंग करवाकर आप यहां पर आराम से रुक सकते हैं। आप यहां पर साईं धाम और होटल दोनों जगहों में से कहीं भी रुक सकते हैं। आप चाहें तो साईं बाबा संस्थान की बुकिंग ऑनलाइन करवाकर जाएं। यहां पर रुकने के लिए बुकिंग सुविधा उपलब्ध है।

जाने का बेस्ट समय

वैसे तो आप कभी भी साईं बाबा के दर्शन के लिए प्लान बना सकते हैं। लेकिन धार्मिक स्थल होने की वजह से अक्सर यहां पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है। खासकर गर्मियों में यहां पर काफी भीड़ देखने को मिलती है। बता दें कि अगर आप शिरडी जाने का प्लान कर रहे हैं, तो अक्तूबर से मार्च यहां आने का अच्छा समय है। आप इस दौरान आकर साईं बाबा के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा सोमवार और शुक्रवार को भी मंदिर में कम भीड़ होती है। वहीं हर गुरुवार को यहां पर साईं बाबा की पालकी निकलती है। इस दिन मंदिर में काफी भीड़ होती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

जिला स्तरीय विशेष शिविर का आयोजन

सरकार की पहल को जन- जन तक पहुंचाया जाये: सतीश चन्द्रा

संवाददाता

साहिबगंज : वित्तीय सेवा विभाग डीएफएस,भारत सरकार के निदेर्शानुसार साहेबगंज जिले में आपकी पूँजी आपका अधिकार के तहत अनक्लेम्ड डिपॉजिट से संबंधित जागरूकता और निस्तारण के उद्देश्य और आसेर्टी बाजार का आयोजन जिला स्तरीय विशेष शिविर का आयोजन शुक्रवार को ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान,बड़ा लोहाण्डा साहिबगंज में उप विकास आयुक्त सतीश चन्द्रा,रिजर्व बैंक प्रबंधक गौरव कुमार, जिला ग्रामीण बैंक प्रबंधक सुधीर कुमार, आरसेटी निदेशक प्रदीप कुमार झा दीपक और झारखंड आजीविका सखी मंडल के प्रबंधक मार्टिन तारिक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को

सम्बोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने कहा कि यह जो सरकार की पहल है उसको जन जन तक पहुंचाना और लोगों को योर मनी योर राइट को जागरूक करने का संदेश दिए और झारखंड आजीविका सखी मंडल के पदाधिकारीयो और बैंकर्स को भी लोगों तक यह संदेश पहुंचाने का कहा। इस अवसर पर जिले के विभिन्न बैंकों तथा बीमा कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।वे लोगों को अपने बैंकों तथा बीमा कंपनी में पड़े निष्क्रिय या अनुपयोगी खातों सावधि जमा, पीपीएफ,बीमा,म्यूचुअल फंड और अन्य जमा योजनाओं की स्थिति के बारे में जानकारी दिए तथा इन खातों से जुड़ी धनराशि की प्राप्ति के लिए आवश्यक प्रक्रिया से सभी को अवगत कराएं। इस संबंध में जिला अग्रणी बैंक के प्रबंधक, सुधीर कुमार ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य आम लोगों को उन जमा राशियों के बारे में जागरूक करना है जो 10 वर्ष और अधिक लंबे समय से उनके या उनके परिजनों के 49394 बैंक खातों में 14.72 करोड़ की राशि निष्क्रिय पड़ी हैं।उनके द्वारा जिले के सभी लोगों से आग्रह किया कि वे अपने पुराने खातों, जमा योजनाओं या मृतक परिजनों के खातों से संबंधित जानकारी दिए इस शिविर का मुख्य उद्देश्य योजना का लाभ उठाना है। इस तरह के शिविरों के माध्यम से बैंकिंग क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी और आपकी पूँजी आपके अधिकार के तहत पुनः उनकी पूँजी सक्रिय वित्तीय प्रणाली में लौट सकेगी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में आसेर्टी के प्रशिक्षक राजहंस कुमार,उपेन्द्र गोप कार्यालय सहायक आकाश कुमार,रंजीत कुमार,झारखंड आजीविका सखी मंडल के डीएम स्किल एंड जॉब्स राजेन्द्र कुमार,जिला लाइवलीहुड अनुरुद्ध कुमार,एचएम मिश्रा,चांद अकरम आरसेटी के नीरज कुमार शर्मा,तौफीक आलम और आरसेटी बाजार के लिए जिले से आई दीदियों जिसमें पूजा,सुरझाऊ,सोनी, सुनीता शिकुरानी,रेखा सहित कई दीदिया उपस्थित थे।

अविनाश वर्मा ने यूपीएससी में देश में छठा स्थान प्राप्त किया

संवाददाता

साहिबगंज: शिक्षा ने साहिबगंज की दशा-दिशा बदलना शुरू कर दिया है। विशेष कर गरीबी के दलदल से निकल कई छात्र अपनी कामयाबी के झंडे गाड़ना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में शहर के सकरुगढ़ निवासी अविनाश वर्मा ने यूपीएससी क्रैक कर नई मिसाल पेश कर दी है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वाले रवि वर्मा व पूनम वर्मा के छोटे पुत्र अविनाश वर्मा ने यूपीएससी की परीक्षा देश भर में 6ठा स्थान हासिल किया है। अविनाश अब रेलवे में बड़े अधिकारी बनेंगे। अविनाश ने अपनी स्कूलिंग साहिबगंज में ही पूरी की। संत जेवियर स्कूल से 10वीं की परीक्षा रॉल ऑफ ऑनर से पास करने के बाद उन्होंने बोकारो चिन्मया से इंटर किया। इसके बाद बीआईटी मेसरा से बीटेक किया। 2020 में उन्होंने गेट की परीक्षा में देश में 9वां स्थान हासिल किया। इसके बाद उन्होंने कई प्रतियोगी परीक्षाओं में अपनी कामयाबी के झंडे गाड़े। उनकी काबलियत को देख एफसीआई,आयल इंडिया लिमिटेड, इंडिया आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, एनटीपीसी,

एनएचपीसी, कोल इंडिया, नाल्को व वेल जैसी कंपनियों ने जॉब ऑफर किया। अविनाश ने ऑयल इंडिया लिमिटेड में 8 महीने बतौर ड्रिलिंग इंजीनियर अपनी सेवा दी। फिर इसके बाद इंडिया ऑयल के एलआईजी डिओर्टमेंट में सेल्स एक्सिक्यूटिव के पद पर रहे। पुत्र की इस सफलता से माता-पिता,बड़े भाई आकाश वर्मा, परिजनों व मित्रों में हर्ष व्याप्त है। अविनाश ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता,बड़े भाई आकाश वर्मा, परिजनों व शिक्षकों को दिया है।उन्होंने बताया कि उनकी सफलता में बड़े भाई अविनाश का अहम रोल है।माता-पिता व बड़े भाई ने उन्हें इस मुकाम पर पहुंचाने में कड़ी मशक्कत की।अविनाश ने बताया कि उनके बड़े भाई एचडीएफसी बैंक में डीएम के पद पर हैं और फिलहाल दिल्ली में पोस्टेड हैं।

अस्पताल प्रबंध समिति की बैठक

मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाये: प्रमुख

साहिबगंज/बरहेट : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में शुक्रवार को अस्पताल प्रबंध समिति की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रमुख सह झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी सीएचसी प्रभारी डॉक्टर पंकज कर्मकार ने की। बैठक में सभी सीएचसी पीएचसी और एचडब्लूसी को दुरुस्त करने को लेकर चर्चा की गई। इस दौरान प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने कहा कि मरीजों को इलाज के लिए गांव के पीएचसी एचडब्लूसी को दुरुस्त कर सभी प्रकार की सुविधा दे ताकि उनका इलाज नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में मिल सके। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य दूरस्थ के लिए एएनएम,सीएचओ,के देख रेख कर जिम्मेदारी के साथ कार्य कर लोगो को सेवा दे। इसके बाद अस्पताल का निरीक्षण भी किया। इस दौरान मरीजों से मिलकर समस्या से अवगत हुए और मरीज को बेहतर सुविधा देने के बात कही। मौके पर डॉक्टर संतोष टुडू,जियाउर रहमान देव सोरेन,अब्दुल मजीद समदा सोरेन,सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय में शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी

छात्राओं के सर्वांगीण विकास पर हुई चर्चा

संवाददाता

साहिबगंज: मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय साहिबगंज में शिक्षक-अभिभावक संगोष्ठी की बैठक प्रभारी प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक एवं विद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य छात्राओं के सर्वांगीण विकास,शैक्षणिक प्रगति एवं उनके उज्ज्वल भविष्य को लेकर आपसी संवाद और सहयोग को सशक्त बनाना था। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों नवाचारों छात्राओं की उपलब्धियों की जानकारी अभिभावकों को दी। वहीं अभिभावकों ने भी बच्चों की पढ़ाई। अनुशासन मानसिक विकास एवं करियर मार्गदर्शन को लेकर अपने बहुमूल्य सुझाव

प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों के बीच हुई सकारात्मक चर्चाओं से यह स्पष्ट हुआ कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए शिक्षक और अभिभावक मिलकर निरंतर प्रयासरत हैं। संगोष्ठी में छात्राओं की नियमित उपस्थिति अध्ययन में रुचि, डिजिटल शिक्षा,सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों एवं नैतिक मूल्यों के विकास पर विशेष जोर दिया गया।अंत में विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस तरह के संवादात्मक कार्यक्रमों के आयोजन की बात कही गई।यह संगोष्ठी न केवल शिक्षकों और अभिभावकों के बीच सेतु बनी,बल्कि छात्राओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुई। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी,स्कूल मैनेजर विमल कुमार पांडे, शिक्षक मनोहर शर्मा,ललन कुमार,अकरम मिराज,कुमार बागिस मुख्य रूप से उपस्थित थे।

नाबालिग किशोरी लापता, अपहरण की प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत के पतौड़ा पंचायत से एक 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी के संदिग्ध अपहरण का मामला सामने आया है। घटना को लेकर किशोरी के पिता ने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते 17 दिसंबर की सुबह नाबालिग किशोरी शौच के लिए घर से बाहर निकली थी। लेकिन काफी देर बीत जाने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। इसके बाद स्वजनों द्वारा आसपास के इलाकों में खोजबीन शुरू की गई, परंतु किशोरी का कोई सुराग नहीं मिल सका। खोजबीन के दौरान परिजनों को जानकारी मिली कि पश्चिम बंगाल के फरक्का थाना क्षेत्र अंतर्गत शंकरपुर गांव निवासी सफीउर रहमान द्वारा उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया गया है। इस संबंध में पीड़ित पिता के बयान के आधार पर राधानगर थाना कांड संख्या 555/25 के तहत सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है। कि आरोपी की गिरफ्तारी और नाबालिग की सकुशल बरामदगी को लेकर संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

झबरी फुटबॉल मैदान में चार दिवसीय काडा लड़ाई प्रतियोगिता, पेलपहाड़ बना विजेता

संवाददाता

साहिबगंज: बरहेट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पंचायत सिमलढाब के झबरी फुटबॉल मैदान में चार दिवसीय काडा लड़ाई प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला पेलपहाड़ बनाम भागाबांध के बीच हुआ। जिसमें पेलपहाड़ का काडा विजेता बना। इस काडा लड़ाई प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी झामुमो प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान शामिल हुए।विजेता काडा मालिक कालिया मुर्मू को ईनामी राशि तीस हजार रुपए झामुमो प्रखंड अध्यक्ष बर्नार्ड मरांडी ने देकर पुरस्कृत किया।उपविजेता काडा मालिक रुपकचांद टुडू को बीस हजार रुपए झामुमो जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम ने देकर पुरस्कृत किया।सेमीफाइनल में हारने वाले काडा मालिक को मुखिया पृथ्वीचंद टुडू एवं मुखिया सह युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष देव सोरेन ने सात-सात हजार रुपए देकर पुरस्कृत किया।मौके पर पंचायतअध्यक्ष ईश्वर हेंब्रम,अब्दुल मजीद,समदा सोरेन,सरकार हेंब्रम,संजय सोरेन,सलीमुद्दीन अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन से काफी मात्रा में कछुआ के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा: मालदा डिवीजन अंतर्गत बरहरवा रेलवे स्टेशन में आरपीएफ ने 15734 डाउन फरक्का एक्सप्रेस ट्रेन से काफी मात्रा मे कछुआ के साथ 3 तस्कर कों गिरफ्तार करने मे सफतला प्राप्त की है।मामले की जानकारी देते हुए आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार ने बताया कि आरपीएफ पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कभी-कभार साहिबगंज बरहरवा रेलखंड होते हुए कछुआ की तस्करी की जा रही है,जिसे लेकर जवानों को अलर्ट मोड में लगाया गया था।ट्रेन गस्ती के दौरान जवान काफी अलर्ट मोड में थे और साहिबगंज से ट्रेन खुलते ही आरपीएफ जवानों कों शक हुआ की तीन लोगों के द्वारा किसी प्रकार की अवैध तस्करी की जा रही

है,इसके बाद तालझारी स्टेशन ट्रेन पहुंचते ट्रेन में जांच अभियान चलाया गया,जांच के दौरान कुल 22 बैग से कछुआ बरामद किए गए,कछुए की आकर छोटे से लेकर काफी बड़ी है।सभी बैग को बरहरवा स्टेशन में उतारकर आवश्यक कार्रवाई किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया फिलहाल कछुआ की गिनती नहीं की जा सकी है।गिरफ्तार तस्कर में उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के करण पत्रकट,कुसमा पत्रकट एवं मंजू पत्रकट शामिल है।जो बनारस से कछुआ क्रयकर फरक्का के पश्चिम बंगाल ले जा रहे थे। जिसे सुसंगत धाराओं के विरुद्ध न्यायिक हिरासत में भेजे जाएंगे।उन्होंने बताया कि वन विभाग से संपर्क साधकर उक्त कछुआ वन विभाग के समर्पित किए जाएंगे।

प्रखंड स्तरीय पुस्तकालय प्रबंधन और कार्यान्वयन समिति की हुई बैठक

युवाओं के बौद्धिक विकास और सामाजिक सशक्तिकरण में अहम भूमिका है पुस्तकालय : जयंत

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: प्रखंड कार्यालय में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय पुस्तकालय प्रबंधन एवं कार्यान्वयन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन गरुण केतु परियोजना के तहत संबंधित पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने की। बैठक की कार्यवाही का शुभारंभ सभी उपस्थित गणमान्य सदस्यों के स्वागत के साथ किया

गया। इस अवसर पर परियोजना पदाधिकारी आजीविका एवं डीएमएफटी पीएमयूटी टीम लीडर नवीन कुमार ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक प्रखंड में पुस्तकालय की स्थापना की जा रही है। जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी युवाओं को अध्ययन प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी तथा ज्ञानवर्धन के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि यह युवाओं के बौद्धिक विकास और सामाजिक सशक्तिकरण में भी अहम भूमिका निभाएगा। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रत्येक प्रखंड में पुस्तकालय की स्थापना कर युवाओं, छात्रों और आम नागरिकों को अध्ययन का बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जाए। पुस्तकालय ज्ञान का केंद्र होगा, जहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, सामान्य अध्ययन और आत्मविकास के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध रहेंगे। प्रखंड स्तरीय पुस्तकालय प्रबंधन कार्यान्वयन समिति की यह जिम्मेदारी होगी कि पुस्तकालय का संचालन पारदर्शी, सुचारु जनोपयोगी ढंग से हो। इसके लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों बुद्धिजीवियों और समाज के सभी वर्गों का सहयोग आवश्यक है। हमारा प्रयास रहेगा कि पुस्तकालय को एक जीवंत शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे क्षेत्र के युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। बैठक में पुस्तकालय संचालन, प्रबंधन, संसाधन उपलब्धता एवं स्थानीय सहभागिता पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभी सदस्यों ने पुस्तकालय स्थापना की पहल का स्वागत करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर बताया और इसके सफल क्रियान्वयन के लिए सहयोग का आश्वासन दिया। मौके पर शिक्षाविद् हाजी मोहम्मद अफसर अली, काजी अब्दुल मुकीत, मास्टर साइम, मास्टर बाबुधान हेंब्रम, बिजनेस मैन मो. खालिद, धनंजय कुमार मंडल, मो तौसीफ, समाज सेवी मैदुल इस्लाम, डॉ तौहिद आलम, एडवोकेट मो शमीम, पत्रकार मो शाहिद अनवर सहित अन्य मौजूद थे।

न्यूज IN ब्रीफ

राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिता का भव्य उदघाटन

साहिबगंज : अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा, सदर अंचल अधिकारी बासुकी नाथ टुडू आयोजक सचिव जिला शिक्षा अधीक्षक सह खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। विजेता प्रतिभागियों को ट्रॉफी मोमेंटो एवं सर्टिफिकेट प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। जय जबकि पर्यटन ,कला, संस्कृति, खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग झारखंड ,रांची के निदेश के आलोक में स्वामी विवेकानन्द जयंती 12 जनवरी, 2026 के अवसर पर युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय,भारत सरकार के मार्गदर्शन में जिला खेल कार्यालय, मेरा युवा भारत साहिबगंज, एन एस एस साहिबगंज महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन सिद्वो-कान्हू सभागार, साहिबगंज में आयोजित किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा सदर अंचल अधिकारी बासुकी नाथ टुडू एवं आयोजक सचिव जिला शिक्षा अधीक्षक सह खेल पदाधिकारी कुमार हर्ष ने दीप प्रज्वलित कर किया । जिसमें अपनी प्रतिभा को जिला से लेकर राष्ट्रीय मंच तक ले जाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया। जिसमें सामूहिक लोकनृत्य संथाल परगना क्षेत्रीय लोक नृत्य की भेष भूषा चित्रकला संथाल परगना के पर्यटन स्थल ,सामूहिक लोकगीत संथाल परगना की क्षेत्रीय भाषा भाषण स्वामी विवेकानंद की जीवनी व कविता लेखन झारखंड के संथाल परगना स्वतंत्रता सेनानी व क्रांतिकारी से संबंधित विषयो पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों युवाओं एवं युवतियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता से चयनित प्रतिभागी प्रमण्डल स्तर पर 22 दिसम्बर 2025 को दुमका एवं 26- 27 दिसम्बर 2025 को राज्य स्तर पर रांची में भाग लेंगे। परिणाम लोक नृत्यज्ञप्रथम पुरस्कार सोनिया डांस ग्रुप ,द्वितीय पुरस्कार पिंकी मुर्मू ग्रुप ,तृतीय पुरस्कार - विनीता कुमारी ग्रुप,चित्र कला प्रथम पुरस्कार अंशु कुमारी संध्या महाविद्यालय,द्वितीय पुरस्कार रोमा हांसदा साहीबगंज महाविद्यालय,तृतीय पुरस्कार फरीन + 2 राजस्थान इंटर विद्यालय,सामूहिक लोकगीत प्रथम पुरस्कार अंजना कुमारी, अमन पंडित एवं अंशु झा

द्वितीय पुरस्कार राहुल साह एवं ग्रुप ,तृतीय पुरस्कार निर्मला टुडू और ग्रुप भाषणप्रथम पुरस्कार कृति कुमारी ,द्वितीय पुरस्कार शिवानी कुमारी, तृतीय पुरस्कार अभय कुमार पांडे,कविता लेखन प्रथम पुरस्कार दरकसा प्रवीण ,द्वितीय पुरस्कार खुशी लाल पंडित,तृतीय पुरस्कार-रिया कुमारी । इस अवसर पर निर्णायक के रूप में कुन्दन मित्रा, संध्या किरण, ज्योति प्रभा, राजेश पंडित, डॉ सुनील कुमार,बमबम राज, उमेश ठाकुर , प्रशांत भारती ने निभाई वहीं कार्यक्रम का संचालन जिला खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी ने किया। मौके पर प्रशिक्षक योगेश यादव, अशोक साहनी, प्रकाश सिंह बादल समेत अन्य का सराहनीय सहयोग रहा।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन

– जनता दरबार बना लोगों की उम्मीदों का केंद्र , प्रशासन और जनता के बीच विश्वास हुआ और मजबूत

साहिबगंज: समाहरणालय स्थित उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार ने एक बार फिर यह साबित किया कि यह पहल अब लोगों की उम्मीदों का केंद्र बन चुकी है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी हेमंत सती की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में ग्रामीण एवं शहरी नागरिक उपस्थित हुए और अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रखीं। भूमि विवाद, पेंशन भुगतान, पेयजल संकट, स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली आपूर्ति, शिक्षा व्यवस्था सहित विभिन्न विभागीय मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। उपायुक्त श्री सती ने प्रत्येक शिकायतकर्ता से व्यक्तिगत बातचीत की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई का निर्देश देते हुए साफ शब्दों में कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है हर नागरिक को समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण समाधान उपलब्ध कराना। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी विभागों को अपनी कार्रवाई की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से उपायुक्त कार्यालय को सौंपनी होगी, ताकि मॉनिटरिंग और पारदर्शिता बनी रहे। ज्ञात हो कि साहिबगंज में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जनता दरबार आयोजित किया जाता है।

जमशेदपुर में विधायक पूर्णिमा साहू ने जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

पूर्वी सिंहभूम : लौहनगरी जमशेदपुर में लगातार बढ़ती ठंड और शीतलहर को देखते हुए जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू ने बमामाईंस मंडल क्षेत्र में जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। विधायक ने शुक्रवार रात बमामाईंस हरिजन बस्ती, वीर बिरसागढ़ एवं चूना भट्टा क्षेत्र का दौरा कर सैकड़ों गरीब व असहाय लोगों को कंबल प्रदान किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ठंड और शीतलहर गरीब तबके के लिए सबसे बड़ी चुनौती होती है। उनका प्रयास है कि कड़ाके की ठंड में कोई भी व्यक्ति स्वयं को असहाय और असुरक्षित महसूस न करे। उन्होंने बताया कि जरूरतमंदों तक कंबल पहुंचाने का यह सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेगा। साथ ही उन्होंने लोगों से ठंड के मौसम में विशेष सावधानी बरतने की अपील की। कंबल वितरण से लाभान्वित लोगों ने विधायक की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए इसे बड़ी राहत बताया और आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा बमामाईंस मंडल अध्यक्ष रितेश झा सहित पार्टी के कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जमशेदपुर में उपायुक्त कार्यालय के पास चोरी की वारदात, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिला मुख्यालय से सटे इलाके में हुई चोरी की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किए जा रहे तमाम दावों की पोल खोल दी है। उपायुक्त कार्यालय से महज कुछ ही दूरी पर बेखौफ चोरों ने आधा दर्जन से अधिक फुटपाथी दुकानों में सेंधमारी कर इलाके में सनसनी फैला दी। यह घटना साकची थाना क्षेत्र अंतर्गत जुबिली पार्क गेट के समीप की बताई जा रही है, जहां शुक्रवार की देर रात चोर गैस कटर के साथ मौके पर पहुंचे और एक-एक कर दुकानों के ताले काटते चले गए। चोरों ने नकदी के साथ-साथ दुकानों में रखे सामान पर भी हाथ साफ किया। दुकानदार रोज की तरह शनिवार सुबह जब अपनी दुकानें खोलने पहुंचे, तो टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए।

नौ साल बाद लौटीं

शिल्पा शिंदे

'भाबी जी घर पर हैं' में नया ट्विस्ट

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे वर्षों बाद सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' में वापस लौट आई हैं। एक्ट्रेस का प्रोमो भी रिलीज हो चुका है। वीडियो को देखने के बाद शो में आने वाले ट्विस्ट का एक हिंट जरूर मिल रहा है।

'बिग बॉस 11' की विजेता और टीवी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने यूं तो कई टीवी शोज में काम किया है लेकिन 'भाबी जी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी के तौर पर वो छा गईं। साल 2015 में शो की शुरुआत हुई थी लेकिन फिर एक साल बाद 2016 में विवादों के चलते उन्होंने शो को अलविदा कह दिया। अब करीब नौ वर्षों के बाद शिल्पा एक बार फिर शो में वापसी कर रही हैं। उनका कमबैक शो के नए सीजन 2.0 में होने जा रहा है। इससे जुड़ा प्रोमो भी मेकर्स की ओर से जारी कर दिया गया है।

एंड टीवी का सुपरहिट कॉमेडी शो 'भाबी जी घर पर हैं' इन दिनों जबरदस्त चर्चा में है और इसकी सबसे बड़ी वजह है शिल्पा शिंदे की धमाकेदार वापसी। शो के नए सीजन में एक बार फिर शिल्पा नजर आने वाली हैं। इस बार वह दर्शकों के सामने बिल्कुल नए और रहस्यमयी अवतार में आई हैं, जिसने फैंस को चौंका दिया है। हाल ही में जारी किए गए प्रोमो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है।

प्रोमो में अंगूरी भाभी, तिवारी, विभूति और अनीता भाभी एक अनजान गांव 'घूंघटगंज' की ओर जाते दिखाई देते हैं। गांव में कदम रखते ही चारों की नजर एक रहस्यमयी स्त्री की मूर्ति पर पड़ती है। तभी अचानक कुछ ऐसा होता है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। मूर्ति की साड़ी अंगूरी भाभी पर गिरती है और माहौल में सिहरन फैल जाती है। यहीं से कहानी ले लेती है खौफनाक मोड़।

'स्त्री' स्टाइल में लेंगी शो में एंट्री

इसके बाद अंगूरी भाभी के बर्ताव में अजीब बदलाव नजर आने लगता है। सबको लगता है कि उन पर किसी आत्मा का साया हो गया है। जब विभूति उन्हें प्यार से आवाज देता है, तो अंगूरी भाभी का जवाब सबको हैरान कर देता है। उनका अंदाज, उनकी चाल और संवाद, सब कुछ डरावना लेकिन बेहद दिलचस्प लगता है। साफ है कि शिल्पा शिंदे ने इस बार 'स्त्री' स्टाइल में शो में एंट्री लेकर कहानी में जान डाल दी है।

नौ वर्षों बाद शो में हुई वापसी

लंबे समय बाद शिल्पा शिंदे को एक बार फिर अंगूरी भाभी के रूप में देखकर फैंस भावुक भी हैं और उत्साहित भी। सोशल मीडिया पर लोग प्रोमो को बार-बार देख रहे हैं और कई लोगों ने अब तक कमेंट किया है।

'किस किसको प्यार करूं 2' से

पारुल गुलाटी का बॉलीवुड डेब्यू

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में कपिल के साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और मनजोत सिंह भी हैं। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की।

अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई। पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थी और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है। पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, 'मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्में भी की, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चली। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है। अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, 'निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है। अभिनेत्री ने लिखा, '15 साल का इंतजार, ये सब ज्यादा है, या फिर कम मुझे नहीं पता, लेकिन आज जब मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म थिएटर में लगी है, तो बहुत भावुक हूं। आज मुझे भगवान और किस्मत पर यकीन हो गया है।

'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' की शूटिंग का अनुभव पुरानी जिंदगी में लौटने जैसा : कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसमें कृतिका ने बानी अहमद नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो अमेरिका में अपनी ड्रीम जॉब के लिए कड़ी मेहनत करती है, लेकिन परिवार के प्रति जिम्मेदारी उसे इस सपने को पूरा करने से रोकती है। इस फिल्म की शूटिंग दिल्ली में हुई। शूटिंग को लेकर कृतिका कामरा ने बात करते हुए अपना अनुभव साझा किया।

इंटरव्यू में कृतिका ने कहा, ''शूटिंग के दौरान हर लोकेशन से मेरी कोई न कोई याद जुड़ी हुई थी। जब मैं गलियां देखती, तो मुझे अपने स्कूल के रास्ते याद आ जाते थे। जब सड़क किनारे ठेले दिखाई देते थे, तो कॉलेज के दिनों में दोस्तों के साथ खाया गया स्ट्रीट फूड याद आ जाता था। मेरे लिए फिल्म की शूटिंग एक काम की तरह नहीं थी, बल्कि अपनी पुरानी जिंदगी में फिर से लौटने जैसा अनुभव था। उन्होंने कहा, ''किरदार निभाते समय मुझे कोई बनावटीपन नहीं लाना पड़ा, क्योंकि फिल्म की कहानी बहुत हद तक मेरी जिंदगी के कुछ हिस्सों जैसी है। कृतिका ने कहा, ''दिल्ली में शूटिंग का अनुभव मेरे लिए भावनात्मक रूप से भी बेहद खास रहा। शहर की ऊर्जा, लोगों का अपनापन और यहां के खाने की खुशबू ने मुझे रिफ्रेश रखा। सेट पर हर दिन की शुरुआत मुस्कुराहट के साथ होती थी। फिल्म की टीम भी ज्यादातर महिलाएं थीं, ऐसे में पूरा माहौल गर्मजोशी से भर जाता था।

मैंने नींव रखी, तुमने महल बना दिया

● **स्वाति मिश्रा ने पति के लिए लिखी दिल की बात**

'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' गाने से फेमस हुई भोजपुरी गायिका स्वाति मिश्रा ने बीते महीने ही अपने लॉन्ग-टाइम बॉयफ्रेंड और म्यूजिक प्रोड्यूसर मोहित मुसिक से शादी की है। सिंगर ने हल्दी से लेकर शादी की फोटोज को फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर किया, लेकिन अब स्वाति ने अपने पति मोहित मुसिक पर खुलकर प्यार लुटाया है और बताया है कि कैसे जिंदगी के खराब दिनों में भी उन्होंने उन्हें संवारा। भोजपुरी गायिका स्वाति मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम पर शादी की कुछ फोटोज पोस्ट की हैं और फोटोज के जरिए अपने दिल का हाल बताया है। सिंगर ने लिखा, 'प्यार और शादी दो बिल्कुल अलग-अलग चीजें हैं। जिनकी शादी उनके प्यार से हो जाए, वे बड़े भाग्यशाली होते हैं, और मैं उन्हीं भाग्यशाली लोगों में से एक हूं। मेरे जीवन में ये प्यार तब आया था जब मुझे सबसे ज्यादा इसकी जरूरत थी। इसने मेरी दुनिया बदल दी और इस संसार को देखने का एक नया नजरिया दिया।' सिंगर ने आगे लिखा, 'मैं उग्र और शैतानी स्वभाव की और वह शांत और शीतल स्वभाव का।

'धुरंधर' को मिला एयर इंडिया से खास प्यार

यामी गौतम ने दिखाई झलक

आदित्य धर के निर्देशन में बनी मल्टीस्टारर 'धुरंधर' की दमदार कहानी और तगड़ी स्टारकास्ट को जमकर तारीफ मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही फिल्म 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। फिल्म को एयर इंडिया ने भी खास अंदाज में सराहा। अभिनेत्री और फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एयर इंडिया की ओर से पति आदित्य धर को लिखा गया एक स्पेशल लेटर पोस्ट किया। लेटर में एयर इंडिया ने लिखा है कि क्रू मेंबर्स फिल्म से काफी प्रभावित हैं, '35,000 फीट की ऊंचाई पर जश्न! मिस्टर धर, एक अद्भुत और शानदार फिल्म बनाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह फिल्म इतनी शानदार है कि हमारी पूरी टीम उत्साह और जोश से भर गई है। फ्लाइट नंबर का जिक्र करते हुए एयर इंडिया ने आगे लिखा, '12660 बेसब्री से इंतजार कर रहा है। 'धुरंधर' रणवीर सिंह स्टारर एक्शन थ्रिलर है, जिसमें संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। कुछ ही दिनों में यह 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है। आमजन के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। अल्लू अर्जुन, विवेक रंजन अग्निहोत्री, अशोक पंडित, राजकुमार राव, विक्की कौशल, ऋतिक रोशन, तारा शर्मा समेत अन्य एक्टर्स ने पोस्ट कर न केवल कहानी, बल्कि स्टारकास्ट को भी बेहतरीन बताया। वहीं, रोहित शेट्टी ने 'धुरंधर' को नया सिनेमा तक कह दिया।

कहां से आया था 'कचरा सेठ' का करेक्टर?

जिसने बदल दी मनोज जोशी की किस्मत

'डेढ़ सौ रुपया देगा,' कचरा सेठ और चाणक्य जैसे रोल निभाने वाले मनोज जोशी बहुमुखी प्रतिभा के धनी एक्टर हैं। उन्होंने हमेशा ऐसे रोल प्ले किए हैं, जिन्होंने उनके करियर पर चमचमाते सितारे का काम किया है। अभिनेता का 'कचरा सेठ' का किरदार बहुत पॉपुलर हुआ, जिसे आज भी मीम्स पर याद किया जाता है। फिल्म में उनके द्वारा बोला गया हर डायलॉग आज भी दर्शकों को याद है।

साल 2006 में आई फिल्म 'फिर हेरा फेरी' में मनोज जोशी ने 'कचरा सेठ' का रोल प्ले किया था और उनका डायलॉग, 'डेढ़ सौ रुपया देगा,' आज भी दर्शकों का फेवरेट डायलॉग है, लेकिन 'कचरा सेठ' का किरदार कहां से आया? 'कचरा सेठ' का किरदार मनोज जोशी की कद-काठी और उनके प्ले से प्रेरित होकर ही बनाया गया था। दरअसल, 'फिर हेरा फेरी' मिलने से पहले

मनोज सिन्हा एक प्ले कर रहे थे, जब दिवंगत डायरेक्टर और अभिनेता के दोस्त रहे नीरज वोरा उनका प्ले देखने पहुंचे थे। मंच पर अपनी लंबी कद-काठी से डायलॉग बोलते मनोज का कॉमेडी अंदाज नीरज वोरा को पसंद आया, लेकिन उन्हें कचरा सेठ बनाने के लिए उनके लुक में बदलाव किए गए। अभिनेता का सबसे पहले चश्मा व दांतों को बदला गया और ड्रेसिंग सेंस के लिए कुर्ता पजामा पहनाया गया, लेकिन बोलने का लहजा वही रखा गया, जो मंच में उनके पहले किरदार का था। एक इंटरव्यू में मनोज जोशी ने बताया था कि साल 2006 से 2024 तक उनके लिए यह किरदार आइकॉनिक रहा, क्योंकि उनका किरदार इतना फेमस हुआ कि आज भी सोशल मीडिया पर मीम्स बन रहे हैं।

एक्ट्रेस निवेथा पेथुराज ने सगाई के 3 महीने बाद तोड़ी शादी?

साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस निवेथा पेथुराज को लेकर एक खबर आई है, जो चौंकाने वाली है। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस ने सगाई के तीन महीने बाद ही रिश्ता खत्म कर दिया है। उन्होंने अपनी सगाई और शादी तोड़ दी है। निवेथा पेथुराज करीब दो साल से फिल्मी पर्दे से दूर थीं, और नवंबर में ही उन्होंने सोशल मीडिया पर वापसी करते हुए सगाई का ऐलान किया था। आखिर ऐसा क्या हुआ है जो निवेथा पेथुराज की सगाई और शादी टूटने की खबरें आने लगी हैं? दरअसल, निवेथा पेथुराज ने अपनी सगाई की तस्वीरें हटा दी हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी एक भी तस्वीर नहीं है। द हंस इंडिया के मुताबिक, यह भी कहा जा रहा है कि निवेथा और उनके मंगेतर रजित ने एक-दूसरे को अनफॉलो भी कर दिया है। तस्वीरें भी डिलीट कर दी हैं। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं है कि वाकई दोनों ने तस्वीरें डिलीट की हैं या फिर कोई टेक्निकल ग्लिच है।

तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता स्टान वावरिंका 2026 के बाद लेंगे संन्यास

एजेंसी

पेरिस : तीन बार के ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन स्टान वावरिंका ने शुक्रवार को घोषणा की कि 2026 सीजन उनका आखिरी पेशेवर टेनिस सत्र होगा। सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए वावरिंका ने कहा कि वह अपने करियर का समापन ह्लसबसे बेहतरीन तरीकेह्व से करना चाहते हैं। वावरिंका ने लिखा, ह्लहर किताब का एक अंत होता है। अब समय आ गया है कि मैं एक

पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में अपने करियर का अंतिम अध्याय लिखूं। 2026 मेरा टूर पर आखिरी साल होगा। मार्च में 41 वर्ष के होने वाले वावरिंका ने पुरुष टेनिस के स्वर्णिम दौर में अपनी अलग पहचान बनाई, जब रोजर फेडरर, राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच का दबदबा था। उन्होंने 2014 में ऑस्ट्रेलियन ओपन, 2015 में फ्रेंच ओपन और 2016 में यूएस ओपन का खिताब जीता। अपने करियर में वावरिंका ने कुल 16 एटीपी खिताब अपने नाम किए, हालांकि उनका आखिरी खिताब 2017 में जिनेवा में आया था। 2014 में वह विश्व रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान तक पहुंचे। हाल के वर्षों में चोटों से जूझने के कारण उनकी रैंकिंग गिरकर 157 हो गई है। वावरिंका के नाम टूर-स्तरीय 582 जीत दर्ज हैं, जो सक्रिय खिलाड़ियों में चौथी सबसे अधिक हैं।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्सः सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में

एजेंसी

हांगझोउ : भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सीजन के आखिरी टूनामेंट बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया है। शुक्रवार को ग्रुप-बी के अपने अंतिम मुकाबले में उन्होंने मलेशिया की शीर्ष जोड़ी एरन चिया और सोह वूई यिक को रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 21-15 से शिकस्त दी।

तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद जबरदस्त वापसी की और 70 मिनट तक चले हाई-

वोल्टेज मुकाबले में पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मलेशियाई जोड़ी पर दबाव बनाए रखा। इस जीत के साथ सात्विकझ्रचिराग सीजन के अंत वाले इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बन गई है। ग्रुप-बी में एकमात्र अपराजेय जोड़ी रही सात्विक और चिराग को सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए सिर्फ एक गेम की जरूरत थी, लेकिन उन्होंने उससे कहीं आगे बढ़ते हुए पूरे मैच पर नियंत्रण किया। पहले गेम के बाद रणनीति में बदलाव करते हुए भारतीय जोड़ी ने बेहतर पोजिशनिंग अपनाई और रिटर्न में विविधता लाकर मलेशियाई खिलाड़ियों की लय तोड़ दी। मुकाबले की शुरूआत से ही दोनों जोड़ियों के बीच तेज रफ्तार रैलियां देखने को मिलीं। पहले गेम में मलेशिया ने अहम मौकों पर बढ़त बनाकर बाजी मारी, लेकिन दूसरे गेम में सात्विकझ्रचिराग ने धैर्य और आक्रामक खेल का बेहतरीन संतुलन दिखाया।

मध्य प्रदेश: भोपाल मेट्रो का शुभारंभ आज केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज (शनिवार को) मेट्रो रेल सेवा की शुरूआत होने जा रही है। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल भोपाल के कुशाभाऊ अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेन्टर में शाम 4 बजे इसका उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। इसके बाद केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुभाष मेट्रो स्टेशन पर हरी झण्डी दिखाकर मेट्रो को रवाना करेंगे। केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री मेट्रो में सवारी भी करेंगे। दोनों एम्स पहुंचकर प्रेस को संबोधित करेंगे। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय भी मौजूद रहेंगे। मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एस. कृष्ण चैतन्य ने जानकारी देते हुए बताया कि मेट्रो के शुभारंभ के बाद रविवार, 21 दिसंबर से आम लोग इसमें सफर कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि मेट्रो के प्रायोरिटी कारिडोर में कुल आठ स्टेशन हैं। मेट्रो के संचालन का समय और किराया तय कर दिया गया है। पहले चरण में भोपाल मेट्रो सुभाष नगर से एम्स तक

संचालित की जाएगी। मेट्रो सेवा सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक उपलब्ध रहेगी। हालांकि, यात्रियों की संख्या और जरूरत को देखते हुए आगे चलकर समय में बदलाव किया जा सकता है। शुरूआती दौर में मेट्रो तीन कोच के साथ चलेगी। फिलहाल दिल्ली मेट्रो की तरह महिलाओं के लिए अलग से कोई कोच निर्धारित नहीं किया गया है।

राजधानी भोपाल में मेट्रो का परिचालन ऐतिहासिक पल

जनसम्पर्क अधिकारी मुकेश मोदी ने बताया कि देश के दिल मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल को एक और गौरव प्राप्त हो रहा है। भोपाल मेट्रो अत्याधुनिक रेल सेवा है। भोपाल मेट्रो 30.8 किलोमीटर लंबी परियोजना भोपाल के शहरी क्षेत्र को आसान, तेज और पर्यावरण के अनुकूल बनायेगी। परियोजना में दो कॉरीडोर लाइन और एक डिपो है। भोपाल मेट्रो की ऑरेंज लाइन 16.74 किलोमीटर और ब्लू लाइन 14.16 किलोमीटर की है। यह परियोजना शहर के प्रमुख व्यावसायिक और आवासीय क्षेत्रों को जोड़ते हुए यातायात के दवाब को कम करेगी और नागरिकों के जीवन स्तर को उन्नत बनायेगी। भोपाल मेट्रो आधुनिक परिवहन प्रणाली के साथ ही शहर की प्रगति का प्रतीक है। स्मार्ट, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल यात्रा को बढ़ावा देते हुए यह परियोजना आवाजाही को आसान बनाएगी। शुभारंभ के साथ भोपाल एक आधुनिक, हरित और सुलभ राजधानी बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहा है।

भोपाल मेट्रो की विशेषताएं

- ✔ सुविधाजनक यात्रा के लिये सभी स्टेशनों पर हाई-स्पीड लिफ्ट और एस्केलेटर।
- ✔ दिव्यांगजन के लिये सुगम प्रवेश, व्हील चेयर सुविधा, ब्रेल साइनेज।
- ✔ उच्च स्तर की सुरक्षा : एआई आधारित सीसीटीवी निगरानी, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर और ग्रेड-4 सिग्निलिंग सिस्टम।
- ✔ पर्यावरण अनुकूल : रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग से ऊर्जा उत्पादन और सोलर पावर का उपयोग।
- ✔ आरामदायक कोच : पूर्णतः एसी, आरामदायक सीटिंग और मोबाइल चार्जिंग पॉइंट।
- ✔ स्मार्ट तकनीक : ऑडियो-विजुअल यात्री सूचना प्रणाली और हाई-टेक ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर।

परियोजना का पहला चरण

भोपाल मेट्रो के पहले चरण ऑरेंज लाइन 'प्रायोरिटी कॉरीडोर' का शुभारंभ किया जा रहा है। लगभग 7 किलोमीटर के इस खंड में 8 एलिवेटेड स्टेशन शामिल हैं। यह स्टेशन एम्स, अलकापुरी, डीआरएम ऑफिस, रानी कमलापति स्टेशन, एमपी नगर, बोर्ड ऑफिस चौराहा, केन्द्रीय विद्यालय एवं सुभाष नगर है। यह कॉरीडोर शहर के व्यस्त मार्गों पर सुगम यातायात उपलब्ध करेगा और प्रदूषण को कम करने में सहायता प्रदान करेगा। मेट्रो का यह कॉरीडोर नागरिकों की यात्रा को सरल और आसान बनाएगा।

परियोजना की लागत 10 हजार 33 करोड़ रुपए

भोपाल मेट्रो की अनुमानित लागत 10 हजार 33 करोड़ रुपये है। इसमें प्रायोरिटी कॉरीडोर की लागत 2 हजार 225 करोड़ रुपए है। प्रायोरिटी कॉरीडोर की लंबाई 7 किलोमीटर है और इस कॉरीडोर में प्रतिदिन 3 हजार लोगों के यात्रा करने का अनुमान है।

आरबीएसई 12वीं प्रैक्टिकल परीक्षा एक जनवरी से प्राइवेट स्टूडेंट्स की 25 जनवरी से होगी शुरूआत

एजेंसी

जयपुर : राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (आरबीएसई) ने वर्ष 2026 की 12वीं कक्षा की प्रायोगिक परीक्षाओं की तिथियां घोषित कर दी हैं। बोर्ड की ओर से जारी आदेश के अनुसार रेग्युलर विद्यार्थियों की प्रैक्टिकल परीक्षाएं एक जनवरी 2026 से प्रारंभ होकर 20 जनवरी 2026 तक आयोजित की जाएंगी, जबकि प्राइवेट (स्वयंपाठी) विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं 25 जनवरी 2026 से शुरू होकर 31 जनवरी 2026 तक चलेंगी। बोर्ड प्रशासन ने प्रैक्टिकल परीक्षा को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विद्यार्थियों, विद्यालयों और परीक्षकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

बोर्ड के अनुसार प्रायोगिक परीक्षा के दिन अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों को उसी परीक्षक द्वारा उसी विद्यालय में अन्य बैच में परीक्षा देने का अवसर दिया जाएगा, जिसके लिए शाला प्रधान की विशेष अनुमति आवश्यक होगी। किसी भी परिस्थिति में अन्य परीक्षक या अन्य विद्यालय में

परीक्षा कराने की अनुमति नहीं दी जाएगी। निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करने पर परीक्षार्थी को अनुपस्थित मानते हुए परिणाम जारी कर दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शाला प्रधान और विद्यार्थी की स्वयं की होगी।

प्राइवेट परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा से संबंधित सूचना एवं प्रवेश पत्र परीक्षा से सात दिन पूर्व बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे, जिन्हें स्वयंपाठी विद्यार्थी डाउनलोड कर परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। प्रायोगिक परीक्षा की अवधि के दौरान बोर्ड की गोपनीय शाखा में नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। परीक्षा से जुड़ी किसी भी समस्या के समाधान के लिए बोर्ड द्वारा जारी फोन नंबरों एवं ई-मेल पर संपर्क किया जा सकेगा। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक स्तर पर भी नियंत्रण कक्ष सक्रिय रहेगा। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रायोगिक परीक्षा से संबंधित सामग्री जैसे उत्तर पुस्तिकाएं, ग्राफ पेपर और ड्राइंग शीट्स आदि निर्धारित वितरण केंद्रों पर भिजवाई जा रही हैं, जिन्हें शाला प्रधान समय पर प्राप्त करें। विषयवार नियुक्त बाह्य परीक्षकों की सूची, रोल नंबर एवं दिशा-निर्देश बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की मुख्य परीक्षाएं 12 फरवरी 2026 से शुरू होंगी। 10वीं की परीक्षा 12 से 28 फरवरी 2026 तक तथा 12वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएगी। इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में प्रदेशभर से कुल 19 लाख 86 हजार 422 विद्यार्थी शामिल होंगे, जिनके लिए 6193 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

छात्र जीवन में खेलकूद महत्वपूर्ण : मन्मथ शर्मा

एजेंसी

धौलपुर : पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय धौलपुर में वार्षिक खेल दिवस हर्षोल्लास और सौहार्द के साथ मनाया गया । वार्षिक खेल दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि शिक्षाविद् अर्चना सिंह प्राचार्या जवाहर नवोदय विद्यालय धौलपुर द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन, ध्वजारोहण एवं मशाल प्रज्वलन के साथ किया गया । इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मन्मथ शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि छात्र जीवन में खेलकूद महत्वपूर्ण होते हैं। खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक हैं, बल्कि मानसिक सुदृढ़ता एवं टीम भावना को भी विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया । कार्यक्रम के संयोजक शारीरिक खेल शिक्षक इश्ताक अली ने वार्षिक खेल दिवस की गतिविधियों से सभी को अवगत कराते हुए तथा खेलों की महत्ता पर प्रकाश डाला। मुख्यअतिथि ने वार्षिक खेल दिवस आयोजन की अनुमति प्रदान की एवं मशाल दौड़ के लिए लिए अग्नि प्रज्वलित कराई एवं इस मशाल दौड़ को राष्ट्रीय स्तर एवं स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ

इंडिया में विद्यालय की तरफ से प्रतिनिधित्व करने वाले चिन्मय गोस्वामी,आदित्य,अभिनव,अमन मीना,मोहम्मद जैद विद्यार्थियों ने संपन्न कराया। इसके ठीक बाद विद्यालय के चारों सदनों शिवाजी, टैगोर, अशोका एवं रमन सदन के द्वारा मार्च पास्ट किया गया । इन चारों सदनों के हाउस कैप्टन के द्वारा मंच पर मुख्य अतिथि को सलामी दी गई एवं कक्षा बारहवीं की छात्रा एवं विद्यालय बालिका कप्तान मानवी राना ने सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई । इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा सामूहिक नृत्य एवं एरोबिक्स जैसी गतिविधियाँ प्रस्तुत की । मुख्य अतिथि ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समस्त प्रतिभागी सच्ची टीम भावना के साथ प्रतिभागिता करें एवं पूरी ईमानदारी के साथ अपना जोश, जज्बा एवं उमंग खेलकूद की गतिविधियों में बनाए रखें` इन खेलकूद कार्यक्रम में बाल वाटिका से लेकर प्राथमिक विभाग के विद्यार्थियों के लिए गुब्बारे फोड़ना दौड़, मेढक दौड़, नींबू चम्मच दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । जबकि कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए सौ मीटर,दौ सौ मीटर,चार सौ मीटर,रिले रेस एवं रस्साकस्सी प्रतियोगिताएं बालक-बालिका वर्ग में आयोजित की गई। विजेता छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए । विद्यालय के शिक्षक मुकेश वर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया । कार्यक्रम का संचालन संजय,दीपक कुशवाह एवं कुलवीर ने संयुक्त रुप से किया । इस अवसर पर शिक्षक रामहरी मीणा, महिपाल सिंह, एम.आर रावत, बद्री प्रसाद,राकेश कुमार,शिवराज ,राकेश कुमार, राखी गुप्ता एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे ।

भारत-ईयू व्यापार वार्ता आगे बढ़ाने के लिए 8 जनवरी को ब्रसेल्स जाएंगे गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते को गति देने मकसद से अगले साल 8 जनवरी को ब्रसेल्स जाएंगे। इस दौरान वह यूरोपीय संघ के कार्यकारी उपाध्यक्ष और व्यापार मामलों के आयुक्त मारोस सेफकोविक से बातचीत करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को दी जानकारी में बताया कि

दोनों पक्षों के बीच प्रस्?तावित व्यापार समझौते पर बातचीत अंतिम चरण में है। गोयल अपनी दो दिवसीय यात्रा (8-9 जनवरी) के दौरान सेफकोविक से मुलाकात करेंगे। अधिकारी ने बताया, ह्यकेंद्रीय वाणिज्?य मंत्री 7 जनवरी को लिशटेंस्टाइन का दौरा करेंगे और फिर 8 और 9 जनवरी को व्यापार वार्ता के लिए ब्रसेल्स में रहेंगे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय वाणिज्?य एवं उद्योग मंत्री का यह दौरा भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की वार्ता के एक महत्वपूर्ण चरण में हो रही है। दरअसल, दोनों पक्ष जल्द से जल्द एक व्यापक, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी प्रस्तावित इस व्यापार समझौते को मुकाम पर पहुंचाने के प्रयासों को तेज कर रहे हैं।

राजस्थान में दो दिन शीतलहर की चेतावनी, क्रिसमस से बदलेगा मौसम

जयपुर : राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तरी हवा कमजोर पड़ गई है, जिसके चलते प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान में हल्की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, इसके साथ ही अलवर, धौलपुर सहित उत्तर-पूर्वी जिलों में कोहरे का असर बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने 22 और 23 दिसंबर को प्रदेश के 10 जिलों में घने कोहरे और शीतलहर की चेतावनी जारी की है। कोहरे के कारण शुक्रवार देर रात धौलपुर जिले में बड़ा हादसा हो गया। धौलपुर के टिहरी गांव के पास घने कोहरे के चलते दो कारें अनियंत्रित होकर पार्वती नदी में जा गिरीं। गनीमत रही कि समय रहते लोगों ने मदद पहुंचाई, लेकिन इस घटना ने कोहरे के बढ़ते खतरे को उजागर कर दिया है। शनिवार सुबह शेखावाटी अंचल के साथ भरतपुर संभाग में हल्का से मध्यम कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी घटने से स्टेट हाईवे और नेशनल हाईवे पर सुबह के समय यातायात प्रभावित रहा और वाहनों की आवाजाही कम देखने को मिली। धौलपुर और भरतपुर जिले में कोहरे का असर सबसे अधिक रहा, वहीं सुबह-शाम चल रही सर्द हवाओं के कारण लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ा।

विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर करें सख्त कार्रवाई : मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में आई शिकायत पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि लोगों को विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एजेंटों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। ऐसे एजेंटों से पीड़ितों का पूरा पैसा भी वापस कराया जाए। उन्होंने विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों को चिन्हित करने और उनके खिलाफ कड़ा एक्शन लेने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने यह निर्देश शनिवार सुबह कड़ाके की ठंड में आयोजित जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते

हुए दिए। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 250 लोगों से मुलाकात की। योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का प्रभावी निराकरण कराया जाएगा। जनता दर्शन में आई एक महिला ने परिवार के एक सदस्य को विदेश भेजने के नाम पर एजेंट द्वारा ठगी किए जाने का मामला मुख्यमंत्री को बताया। इस पर मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को एजेंट के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और पीड़ित का पैसा दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला को भी समझाते हुए कहा, विदेश जाने के नाम पर एजेंटों के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। गलत तरीके से जाने पर लोगों को वहां जेल में रहना पड़ जाता है। जनता दर्शन में आए पुलिस से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि पीड़ितों की मदद में विलंब और लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की लापरवाही हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधिसम्मत कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कुछ लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को प्यार-दुलारकर सीएम योगी ने उन्हें स्कूल जाने के लिए प्रेरित करते हुए चॉकलेट दिया।

न्यूज IN ब्रीफ

नए शैक्षणिक सत्र की संबद्धता के लिए 10 जनवरी तक करें आवेदन

शिमला : हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय हमीरपुर ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए मौजूदा संबद्धता, नए पाठ्यक्रम शुरू करने और नई संबद्धता लेने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए मौजूदा संबद्धता शिक्षण संस्थानों सहित अन्य नए शिक्षण संस्थानों में तकनीकी विवि में चलने वाले पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए 10 जनवरी तक बिना विलम्ब शुल्क आवेदन करना होगा। तकनीकी विवि के अधिष्ठाता शैक्षणिक डॉ राजेश कुमार ने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए मौजूदा समय में चल रहे सभी शिक्षण संस्थानों को भी संबद्धता के लिए आवेदन करना होता है। इसके अलावा जो भी कोई शिक्षण संस्थान अपने शिक्षण संस्थान में चल रहे स्नातक (यूजी) और स्नातकोतर (पीजी) पाठ्यक्रमों की सीटें बढ़ाना या घटाना चाहता है, तो उसके लिए भी आवेदन कर सकता है। अधिष्ठाता शैक्षणिक ने कहा कि संबद्धता संबंधित डिटेल तकनीकी विवि की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसके अलावा आवेदन करने का प्रारूप भी अधिसूचना के साथ संलग्न है। तय अवधि में बिना लेट फीस आवेदन कर सकते है। 11 से 15 जनवरी तक 50 हजार रुपये विलम्ब शुल्क लेगा। 16 से 20 जनवरी तक एक लाख रुपये विलम्ब शुल्क के साथ आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

छात्रा से स्कूल आते जाते अपराधी प्रवृत्ति का मनचला करता है छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

नोएडा : थाना जेवर में एक छात्रा ने मनचले के खिलाफ स्कूल आते जाते अश्लील हरकत व छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़ित छात्रा ने आपराधी किस्म के मनचले द्वारा छेड़छाड़ और उसके भाइयों को जान से मारने की धमकी दिए जाने की तहरीर थाने में दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जेवर थाना के निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि कस्बा जेवर में रहने वाली एक छात्रा ने बीती रात शुक्रवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह आदर्श कन्या इंटर कॉलेज में पढ़ती है और उनके पड़ोस में रहने वाला जीतन पुत्र चंद्र उसे आए दिन परेशान करता है। जब वह स्कूल जाती है तो उसे रोक कर गाड़ी में बैठाने का प्रयास करता है तथा बात करने के लिए बोलता है। पीड़ित छात्रा के अनुसार वह गंदी-गंदी बातें करता है। वह कहता है कि अगर तू मेरी बात नहीं मानी तो तेरे दोनों भाइयों की हत्या कर दूंगा। पीड़ित ने आरोपित गुण्डा किस्म का व्यक्ति है और क्षेत्र में काफी आतंक होने की बात कही है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपित के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

कुल्हाड़ी मारकर किसान की हत्या

उरई : उत्तर प्रदेश के जनपद जालौन में रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम छौना में शुक्रवार देर रात एक किसान की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई है। शुक्रवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य संकलित किए। इस संबंध में सीओ माधौगढ़ अम्बुज सिंह ने बताया, ग्राम छौना में एक किसान की संदिग्ध हालत में मौत की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा तो गांव के एक खेत के पास बनी मढ़ैया (छप्पर) में मृतक किसान वीरेंद्र कुमार का शव खून से लथपथ हालत में पड़ा है। गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार किए गए जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक की पत्नी ने पुलिस को बताया कि उनके पति की हत्या गांव के ही युवक अखिलेश ने की है। हत्या से पहले मृतक और अखिलेश के बीच किसी विवाद की बात सामने आई है। आरोप है कि शराब के नशे की हालत में हुए इस विवाद के बाद अखिलेश ने कुल्हाड़ी से वार करके वीरेंद्र कुमार की हत्या कर दी। हत्यारोपित अखिलेश घटना के बाद से फरार है। सीओ ने बताया कि मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर नामजद आरोपित अखिलेश के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया। उसकी धरपकड़ के लिए ?दबिश दी जा रही है। गांव में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त बल तैनात किया गया है।

पुलिसकर्मी के फ्लैट में लगी आग से लाखों का नुकसान

बागपत : उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में यूपी डायल 112 पर तैनात पुलिसकर्मी के मकान में शनिवार सुबह आग लग गई। आग से घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना के समय पुलिसकर्मी ड्यूटी पर था, जबकि उसकी पत्नी बच्चों को स्कूल छोड़ने गई थी। खेकड़ा की एनबीसीसी कॉलोनी में शनिवार सुबह करीब नौ बजे तीसरी मंजिल पर गौतमबुद्धनगर के रहने वाले यूपी डायल 112 पर तैनात पुलिसकर्मी भारत के फ्लैट में आग लग गई। भारत की पत्नी ओमीता बच्चों को स्कूल बस में छोड़ने के लिए गई थी, तभी अचानक आग लग गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और दमकल कर्मियों ने आग बुझाई, लेकिन तक तक करीब तीन लाख रुपयों का घरेलू सामान जलकर राख हो चुका था। आग बुझाने के बाद सभी ने राहत की सांस ली। अग्निशमन अधिकारी प्रभाकर केन्तुरा ने शनिवार को बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। तीन लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है। मामले की जांच की जा रही है।

मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ के जिलों में शीतलहर को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी

रायपुर : उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं के कारण छत्तीसगढ़ में कड़ाके की ठंड का कहर जारी है। प्रदेश के उत्तरी और मध्य हिस्सों में शीतलहर का असर है। उत्तर भारत से आने वाली सर्द हवाएं लोगों को अलाव तापने पर मजबूर कर रही हैं। ठंड का सबसे ज्यादा प्रकोप सरगुजा, बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग में देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए शीतलहर को लेकर मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ के जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। शुक्रवार को सरगुजा जिले के मैनपाट व बलरामपुर जिले के सामरी पाट का न्यूनतम तापमान 2 डिग्री दर्ज किया गया है। मैनपाट समेत अन्य पाट क्षेत्रों में शुक्रवार की सुबह ओस की बूंदे जमीं दिखीं। अंबिकापुर का न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1.6 डिग्री कम है। जबकि अधिकतम तापमान 21.9 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल ने बताया कि उत्तर दिशा से शुष्क हवाओं के आने का क्रम जारी है। इस वजह से पूरे उत्तर छत्तीसगढ़ में शीतलहर है और कड़ाके की ठंड पड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार, खैरागढ़ छुईखदान गंडई, राजनांदगांव, दुर्ग, कबीरधाम और बेमेतरा जिले में शीतलहर चलने की संभावना जताई गई है। साथ ही गौरेला-पेंडा-मरवाही, कोरिया, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, सरगुजा, जशपुर और बलरामपुर जिलों में शीतलहर के साथ घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। सरगुजा जिले में सुबह के समय घना कोहरा छाया रहा है । छत्तीसगढ़ का सबसे ठंडा शहर अंबिकापुर रहा, यहां न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अन्य शहरों की बात करें तो रायपुर में 8.3, बिलासपुर में 10.7, पेंड्रा रोड में 7 डिग्री, जगदलपुर में 9.5, दुर्ग में 9 डिग्री और राजनांदगांव में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जगदलपुर में अधिकतम तापमान 29.2 डिग्री सेल्सियस मापा गया।

भारत में तसर रेशम उद्योग का गौरवशाली इतिहास सदियों पुराना : उप विकास आयुक्त

संवाददाता

दुमकाः जिले के शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय परिसर में शुक्रवार को केंद्रीय रेशम बोर्ड एवं क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र, दुमका द्वारा तसर रेशम कृषि मेला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मेले का उद्घाटन उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान, वैज्ञानिक डॉ. शांताकर गिरि, सहायक उद्योग निदेशक (रेशम), दुमका रविशंकर शर्मा, पीपीओ सह सीओ कपिलदेव ठाकुर तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी एजाज आलम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने कहा कि भारत में तसर रेशम उद्योग का गौरवशाली इतिहास सदियों पुराना है। झारखंड राज्य तसर उत्पादन में अग्रणी है तथा राज्य में दुमका जिला तसर उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने तसर खेती का परिचय देते हुए बताया कि तसर कीट पालन मुख्यतः जंगलों में आसन एवं अर्जुन के पेड़ों पर किया जाता है, जहाँ कीट इन पेड़ों की पत्तियाँ खाकर अपना जीवन-चक्र पूर्ण करते हैं। तसर रेशम अपनी समृद्ध बनावट, प्राकृतिक गुणों तथा गहरे सुनहरे रंग के कारण अत्यंत मूल्यवान है।

उन्होंने कहा कि रेशम उद्योग की विभिन्न कड़ियाँ–कीट पालन, गुणवत्तापूर्ण अंडों का उत्पादन, धागाकरण, कताई, बुनाई एवं वस्त्र निर्माण–सभी क्षेत्रों में स्वरोजगार की अपार संभावनाएँ निहित हैं। कोकून उत्पादन से लेकर धागा निकालने एवं कपड़ा बुनने की कला को संताल परगना क्षेत्र में सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता है। इसके लिए केंद्रीय रेशम बोर्ड एवं राज्य रेशम विभाग के समन्वित सहयोग से हितधारकों को अधिकतम लाभ पहुँचाया जाना चाहिए।

उप विकास आयुक्त श्री सचान ने कृषकों को तसर खेती के साथ उसी भूमि में हल्दी की खेती अपनाकर अपनी आय में वृद्धि करने की भी सलाह दी।

इस अवसर पर प्रखंड के रेशमदूत मैनेजर हेब्रम, चूड़का हेब्रम, तलामय हांसदा, चंपा हांसदा एवं गुपिन सोरेन को तसर कृषि कीट प्रदान किए गए। साथ ही 10 तसर कृषकों को मोमेंटो एवं झारखंड की पहचान स्वरूप अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान केंद्र, दुमका के प्रबीर कुमार गोराई, शिवम कुमार, शिवनंदन शर्मा, अग्र परियोजना शिकारीपाड़ा के कर्मीगण तथा बड़ी संख्या में तसर कृषक उपस्थित थे।

एमएसएमई इकाइयों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर संपन्न

दुमकाः झारखंड सरकार के उद्योग विभाग एवं झारखंड औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम द्वारा एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता और प्रदर्शन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विश्व बैंक समर्थित आरएएमपी कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को जिला उद्योग कार्यशाला भवन, बैगनथारा, सुखजोरा, जरमुंडी में एक दिवसीय उद्यमिता पंजीकरण सह जागरूकता शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस शिविर का प्रमुख उद्देश्य जिले के नवोदित एवं मौजूदा उद्यमियों को औपचारिक रूप से एमएसएमई इकाइयों के रूप में पंजीकृत करना, पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाना, एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराते हुए उन्हें लाभान्वित करना था। शिविर में भाग लेने वाले उद्यमियों को ऑनलाइन उद्यम पंजीकरण की प्रक्रिया के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी दी गई। शिविर के दौरान कुल 21 उद्यमियों ने ऑन स्पॉट पंजीकरण कराया, जो कि जिले में औपचारिक एमएसएमई इकाइयों की संख्या बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक दास कुमार एक्का ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि, एमएसएमई क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अहम योगदान निभाते है। उनके द्वारा बताया गया कि डीआईसी एमएसएमई के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में कार्य करते हैं, जो उन्हें प्रभावी ढंग से स्थापित होने, बढ़ने और प्रतिस्पर्धा करने के लिए आवश्यक संसाधन, मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान करते हैं। उनके द्वारा विभाग द्वारा संचालित योजनाएं जैसे- प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के बारे में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी देते हुए इनका लाभ उठाने हेतु प्रतिभागियों को प्रेरित किये। इस अवसर पर जिला उद्योग केंद्र के ईओडीबी मैनेजर, मनोज कुमार प्रमाणिक ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए जिले में उद्यमिता के क्षेत्र में विकास कि संभावनाओं के बारे में तथा उद्यम निबंधन कि प्रक्रिया एवं इसके लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उनके द्वारा कहा गया कि इस प्रकार के जागरूकता शिविरों के माध्यम से न केवल पंजीकरण को बढ़ावा मिलता है, बल्कि दुमका जिले में स्वरोजगार और उद्यमिता को भी बल मिलता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री लघु कुटीर उद्योग विकास बोर्ड के जरमुंडी प्रखंड के प्रखंड उद्यमी समन्वयक, निशांत निश्चय, के द्वारा बताया गया कि क्षेत्र मे बांस एवं चमड़ा से निर्मित उत्पादों का निर्माण स्थानीय कारीगर के द्वारा किया जा रहा है. उनके द्वारा उपस्थित उद्यमियों को विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रेरित किया गया. मौके पर कुल 88 उद्यमी उपस्थित रहे।

समय पर बेहतर कार्य निष्पादन है आयुक्त अंजनी मिश्र की पहचान

विनय मिश्रा

दक्षिण छोटा नागपुर के आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र भारतीय प्रशासनिक सेवा 2011 बैच के लोकप्रिय कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं। उनके द्वारा दक्षिण छोटा नागपुर के सभी छः जिला रांची, रामगढ़, लोहरदगा,गुमला, सिमडेगा एवं खूंटी में विकास कार्यों को धरातल पर उतारने के साथ - साथ लोगों को बेहतर तरीके से सरकारी योजना का लाभ मिले यह हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। आयुक्त के रूप में उनके कार्य काफी सराहनीय और उपलब्धि भरे रहे हैं ।इसी का यह परिणाम है कि उनके पदस्थापना काल से लेकर अब तक किए गए कार्य उनकी उपलब्धि में शामिल हैं। सहज और मृदुभाषी तथा व्यवहार कुशल आयुक्त के रूप में पहचाने जाने वाले श्री मिश्र इससे पूर्व जहां भी पदस्थापित रहे अपने कार्य दक्षता से विभाग को बेहतर पहचान दिलाने में सफल रहे हैं। ऐसे अधिकारी से राज्य और विभाग दोनों गौरवान्वित होते हैं।

गोड्डा कॉलेज में संथाली पीजी की शुरूआत, इस सत्र से होगा नामांकन

दुमका : गोड्डा कॉलेज में इस बार से संथाली विषय में स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई शुरू की जा रही है। इसके साथ ही सत्र 2025-27 से संथाली पीजी पाठ्यक्रम में नामांकन भी लिया जाएगा। बता दे, गोड्डा कॉलेज में संथाली विषय में पीजी पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने को लेकर कुछ माह पूर्व विश्वविद्यालय की अकादमिक काउंसिल की बैठक में निर्णय लिया जा चुका था। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद अब इसे नामांकन प्रक्रिया में शामिल कर लिया गया है।

विश्वविद्यालय अधिकारियों ने बताया कि संथाली पीजी की शुरूआत से संताल परगना क्षेत्र के छात्रों को बड़ी सुविधा मिलेगी। अब संथाली विषय के विद्यार्थियों को पीजी की पढ़ाई के लिए अन्य कॉलेजों या विश्वविद्यालयों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और आदिवासी भाषा व संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन में भी सहायता मिलेगी।

पीजी नामांकन समिति की इस महत्वपूर्ण बैठक में विश्वविद्यालय के वित्त सलाहकार बृजनंदन ठाकुर, डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेंद्र यादव सहित अनेक वरिष्ठ शिक्षक एवं अधिकारी उपस्थित थे, जिनमें डॉ. बसंत कुमार गुप्ता, डॉ संतोष सिंह, डॉ. टीपी. सिंह, डॉ. अब्दुस सत्तर, डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा, डॉ. नीलेश कुमार, डॉ. एसएल. बॉडया, डॉ. एसएन. अधिकारी, डॉ. राजीव रंजन सिन्हा, डॉ. आरकेएस. चौधरी, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. कलानंद ठाकुर, डॉ. सुजीत कुमार, डॉ. संतोष शील, डॉ. संजीव कुमार सिन्हा, डॉ. बिनय कुमार सिन्हा, डॉ. डीके. मिश्रा, डॉ. शुशील टुडू, दीपक कुमार दास, श्वेता मरांडी, डॉ. अखिलेश कुमार, एसआर. रिजवी, डॉ. त्रिपुरारी प्रसाद सिंह, डॉ. विवेकानंद सिंह, डॉ. संजय कुमार सिन्हा, डॉ. पूनम हेम्ब्रम एवं मनोज कुमार सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

एसकेएमयू में पीजी नामांकन प्रक्रिया शुरू, 27 दिसंबर से ऑनलाइन आवेदन

संवाददाता

दुमकाः सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय (एसकेएमयू) में स्नातकोत्तर (पीजी) सत्र 2025-27 में नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। पीजी पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल खोल दिया गया है। इस संबंध में निर्णय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुनुल कंडिर की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित नामांकन समिति की बैठक में लिया गया।

विश्वविद्यालय पीआरओ से मिली जानकारी के अनुसार, पीजी पाठ्यक्रमों में नामांकन के इच्छुक छात्र-छात्राएं 28 दिसंबर से 28 जनवरी तक चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेंद्र यादव ने बताया कि किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उत्तीर्ण सभी अभ्यर्थी 100 रुपये निर्धारित आवेदन शुल्क का भुगतान कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि पीजी नामांकन पूरी तरह से मेरिट आधारित होगा। चांसलर पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के आधार पर उपलब्ध सीटों के अनुसार झारखंड सरकार के आरक्षण रोस्टर का पालन करते हुए स्नातक अंकों के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी। इसके बाद कॉलेज स्तर पर दस्तावेज सत्यापन कराए जाएंगे और चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर नामांकन शुल्क जमा कर नामांकन लेना होगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पीजी पाठ्यक्रमों के साथ-साथ विश्वविद्यालय परिसर में संचालित एमबीए एवं एमसीए पाठ्यक्रमों में भी इसी सत्र के लिए नामांकन किया जाएगा। विदित हो कि एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में स्व-वित्तपोषित (सेल्फ फाइनेंस) मोड में संचालित किए जाते हैं।

नामांकन से संबंधित महत्वपूर्ण तिथियां इस प्रकार हैं—

-चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदनः 28 दिसम्बर से 28 जनवरी तक।
-आवेदन शुल्क भुगतान की अंतिम तिथिः 31 जनवरी।
-कॉलेज स्तर पर प्रथम मेरिट सूची का प्रकाशनः 5 फरवरी।
-कॉलेज स्तर पर दस्तावेज सत्यापनः 6 से 21 फरवरी तक।
-नामांकन शुल्क भुगतान की अंतिम तिथिः 22 फरवरी।
-कक्षाओं का शुभारंभः 23 फरवरी से।

एसकेएमयू के अंतर्गत निम्नलिखित पांच कॉलेजों में पीजी की पढ़ाई संचालित होती है : यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट में भूगोल, अंग्रेजी, हिंदी, संताली, अर्थशास्त्र, इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, बॉटनी, केमेस्ट्री, गणित, भौतिकी, जूलॉजी, कॉमर्स, संस्कृत, बंगला, उर्दू, एमबीए, एमसीए तथा संताल कल्चर स्टडी की पढ़ाई होती है।

साहेबगंज कॉलेज, साहेबगंज में अंग्रेजी, हिंदी, संताली, उर्दू, अर्थशास्त्र, इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, बॉटनी, केमेस्ट्री, गणित, भौतिकी, जूलॉजी एवं जियोलॉजी विषयों में पीजी की पढ़ाई कराई जाती है। एएस. कॉलेज, देवघर में केवल कॉमर्स विषय से पीजी की पढ़ाई होती है। गोड्डा कॉलेज, गोड्डा में हिंदी, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, बॉटनी, केमेस्ट्री, गणित, भौतिकी, जूलॉजी एवं पर्शियन विषयों में पीजी की पढ़ाई संचालित है।

देवघर कॉलेज, देवघर में अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, अर्थशास्त्र, इतिहास, दर्शनशास्त्र, राजनीति विज्ञान, बॉटनी, केमेस्ट्री, गणित, भौतिकी,संथाली एवं जूलॉजी विषयों में पीजी की पढ़ाई होती है।

किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से उपायुक्त ने किया जागरूकता रथ रवाना,6

देवघरः जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने शनिवार को जिले में धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया के प्रति किसानों को जागरूक करने उद्देश्य से जागरूकता रथ को समाहरणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि राज्य सरकार के निदेर्शानुसार 15 दिसंबर से धान खरीद की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। ऐसे में किसान बिचौलियों के झांसे में न आएं और सरकारी धान अधिप्राप्ति केंद्रों में ही उचित समर्थन मूल्य पर धान की बिक्री करें। साथ ही धान अधिप्राप्ति कार्य हेतु देवघर जिला अंतर्गत 42 पैक्सों का चयन किया गया है।

इसके अलावा उपायुक्त श्री लकड़ा द्वारा जानकारी दी गई कि जिले को धान क्रय का लक्ष्य 300000.00 (तीन लाख) क्विंटल निर्धारित किया गया है। इस वर्ष किसानों से क्रय किये जानेवाले धान के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369 रुपए प्रति क्विंटल साधारण एवं 2389 रुपए प्रति क्विंटल ग्रेड 'ए' के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा प्रति क्विंटल 81.00 रुपए की दर से बोनस भुगतान किया जाएगा। आगे उपायुक्त ने कहा कि जागरूकता रथ के माध्यम से गांव-गांव जाकर किसानों को धान अधिप्राप्ति से जुड़ी समस्त जानकारी दी जाएगी, जिसमें पंजीकरण प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, भुगतान प्रक्रिया एवं समयसीमा से संबंधित जानकारी शामिल है। इसके अतिरिक्त सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निदेश दिया गया है कि प्रखण्ड स्तरीय धान अधिप्राप्ति अनुश्रवण समीति की प्रत्येक सप्ताह बैठक आहूत कर प्रखण्ड स्तरीय धान अधिप्राप्ति संबंधी समस्त कार्यों का अनुश्रवण करेंगे। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए केंद्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है। मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रीतिलता किस्कू, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी व संबंधित विभाग के अधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।

दोस्त ने पहले बनाया महिला का अंतरंग वीडियो फिर सोशल मीडिया पर कर दिया वायरल

बोकारोः जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र की एक महिला के अंतरंग वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी विक्की कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर किया है। दोस्त ने वीडियो किया वायरल : पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया है और कोर्ट के आदेश पर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया गया है। पीड़िता ने 18 दिसंबर को थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। बताया कि कुछ दिन पहले वह अपने पुरुष मित्र विक्की कुमार से मिलने गई थी। इस दौरान आरोपी ने चुपके से उसका अंतरंग वीडियो बना लिया, जिसकी जानकारी पीड़िता को नहीं थी। 17 दिसंबर को विक्की ने वीडियो को पीड़िता के रिश्तेदारों, शिक्षक, भाई और दोस्तों के मोबाइल पर भेजकर वायरल कर दिया। जानकारी मिलने पर पीड़िता परेशान होकर थाने पहुंची।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तारः शिकायत पर बालीडीह थाने में कांड संख्या 360/25, धारा 74, 75, 76, 294 बीएनएस और 66 (ई), 67, 67 (ए) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। कांड की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिक आरोपी विक्की कुमार को तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने अपराध स्वीकार किया। विक्की कुमार का पूर्व आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ बालीडीह थाने में कांड संख्या 204/2023, धारा 354 (ग), 504, 509 भादवि के तहत केस दर्ज है।

आखिरकार टूटी बदहाली की तस्वीर

22 करोड़ से बदलेगी लावालौंग- पांकी मुख्य सड़क की तस्वीर

वर्षों के संघर्ष पर मिली मंजूरी, 15 जनवरी को होगा शिलान्यास

संवाददाता

चतराः वर्षों से बदहाली,हादसों और कीचड़ की पहचान बन चुकी जिले की लावालौंग- पांकी मुख्य सड़क अब इतिहास बनने जा रही है। प्रखंड क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों के लंबे संघर्ष,आंदोलन और आवाज के बाद आखिरकार इस जर्जर सड़क के कायाकल्प पर मुहर लग गई है।डीएमएफटी फंड से 22 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण को स्वीकृति मिल चुकी है,जिससे पूरे क्षेत्र में राहत और उत्साह का माहौल है। यह सड़क वर्षों से लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई थी।रोजाना दुर्घटनाएं आम बात थीं। स्कूल जाने वाले बच्चों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ता था।मरीजों की एंबुलेंस रास्ते में फंस जाती थी और किसानों की उपज बाजार तक पहुंचना चुनौती बन चुकी थी। बारिश के मौसम में सड़क कीचड़ के दलदल में तब्दील हो जाती थी। जिससे लावालौंग प्रखंड का संपर्क लगभग कट जाता था। ग्रामीणों की यह पीड़ा लगातार अखबारों की सुर्खियां बनी। खबरों के दबाव में जिला प्रशासन हरकत में आया। उपायुक्त ने जनप्रतिनिधियों से संवाद कर सड़क की भयावह स्थिति को समझा और निर्माण प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की पहल की। लमटा पंचायत के मुखिया सह भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित कुमार चौबे ने बताया कि सांसद कालीचरण सिंह और विधायक कुमार उज्ज्वल दास के लगातार प्रयास से डीएमएफटी फंड से सड़क निर्माण का प्रस्ताव पारित हुआ। उन्होंने कहा कि यह स्वीकृति जनप्रतिनिधियों की एकजुटता और जनता के संघर्ष का परिणाम है। सड़क की बदहाली के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा कई बार सड़क पर फूटा।कीचड़ में धरना-प्रदर्शन,सड़क पर धान की रोपाई जैसे प्रतीकात्मक आंदोलनों ने प्रशासन को झकझोर कर रख दिया। इसके बाद विधायक कुमार उज्ज्वल दास के नेतृत्व में लमटा,कोलकोल,लावालौंग और मंघनिया पंचायत के मुखियाओं ने संयुक्त रूप से दो बार उपायुक्त से मिलकर सड़क निर्माण की मांग रखी। अमित चौबे ने बताया कि सांसद और विधायक ने लावालौंग दौरे के दौरान लोगों को भरोसा दिया था कि 15 जनवरी तक सड़क का शिलान्यास किया जाएगा। खरमास समाप्त होते ही 15 जनवरी को लावालौंग प्रखंड मुख्यालय में विधिवत शिलान्यास होगा। यह सड़क न केवल आवागमन को सुगम बनाएगी,बल्कि पूरे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी नई रफ्तार देगी।